जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 177 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 28 अप्रेल, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बाड़मेर में कांग्रेस के उम्मेदाराम बेनीवाल के जीतने की भारी संभावना

यह संभावना पूर्व मु.मंत्री गहलोत को रास नहीं आ रही?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। राजस्थान में मतदान के दूसरे चरण में, जिसमें 13 लोकसभा सीटों के लिए मतदान हुआ, उनमें से बाड़मेर ही ऐसी सीट है जिस पर कांग्रेस को जीत का पूरा विश्वास है। लेकिन, इस संभावित विजय के पीछे और भी बहुत कुछ है। राजस्थान कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी टीम ने बाड़मेर में कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल की हार सुनिश्चित करने के लिए हर तरह के हथकण्डे अपनाए।

- ऐसी चर्चा है कि, गहलोत चाहते थे, वैभव तो हार ही रहे हैं जालोर से, अतः अगर पड़ोसी सीट पर बाड़मेर में भी कांग्रेस का उम्मीदवार हार जाये तो हाई कमान को वैभव की हार को समझाना आसान हो जायेगा, क्योंकि केवल जालोर में ही नहीं पूरे मारवाड़ में कांग्रेस हारी है।
- चर्चाओं के अनुसार, इस सोच के तहत ही अशोक गहलोत की टीम बाड़मेर में निर्दलीय उम्मीदवार रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में काम कर रही थी और इसीलिये बालेन्दु सिंह शेखावत व अमीन खान प्रतीकात्मक तौर पर रविन्द्र सिंह भाटी की मदद कर रहे थे।
- पर, उम्मेदाराम बेनीवाल को जाटों के, अल्पसंख्यकों के तथा एस.सी. के वोट भारी संख्या में मिले हैं। अतः वे जीत के नज़दीक माने जाते हैं।
- हनुमान बेनीवाल, उनके पुराने पार्टी के साथी व सदस्य उम्मेदाराम के पक्ष में प्रचार करने नहीं गये तथा आमसभा में मंच से अपने समर्थकों को कहा, जहां मैं गठबंधन के बावजूद प्रचार करने नहीं जा रहा हूँ, वहां आपको समझ लेना चाहिये कि, मैं उस उम्मीदवार का समर्थन नहीं कर रहा हूँ। उस मंच पर गहलोत भी मौजूद थे।
- चर्चा के अनुसार हाई कमान भी गहलोत की इस तथाकथित विवादास्पद भूमिका से काफी वाकिफ है।

सूत्रों का कहना है कि, अपने पुत्र वैभव गहलोत की जीत सुनिश्चित करने के लिए, अशोक गहलोत ने कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान पहुँचाया है, क्योंकि, जोरदार चर्चा यह है कि, वैभव गहलोत बहुत बड़े अंतर से हार रहे हैं। अशोक गहलोत पड़ोसी लोकसभा सीट बाड़मेर के कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल की हार सुनिश्चित करना चाहते हैं, क्योंकि, तब हाई कमान को वैभव की हार को समझाना आसान हो जाएगा, क्योंकि तब वे कह सकेंगे कि केवल जालोर में ही नहीं, पूरे मारवाड़ में कांग्रेस हारी है।

सूत्रों का कहना है कि, कांग्रेस के नेताओं ने, बाड़मेर में अशोक गहलोत की भूमिका से केन्द्रीय नेतृत्व को अवगत करवा दिया है, और दिल्ली में अशोक गहलोत के अनेक शुभचिंतक होने के बावजूद, पार्टी नेतृत्व बहुत गंभीरता से अशोक गहलोत की भूमिका पर नज़र रखे हुए है।

माना जाता है कि, अशोक गहलोत के नज़दीकी कांग्रेस नेताओं ने, सोशल मीडिया पर छाए, बाड़मेर से निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी के लिए प्रचार करने और उनके लिए वोट मांगने के लिए भारी मेहनत मशक्कत की है। कहा जा रहा है कि, अमीन खान, मेवा राम जैन, मदन प्रजापत, बालेन्दू सिंह शेखावत, अशोक गहलोत टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर चुनाव जीतने में भाटी की मदद कर रहे थे।

रोचक बात यह है कि, इन समस्त प्रयासों के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल, जाटों, अनुसूचित जाति तथा अल्पसंख्यकों के अच्छे खासे वोट लेने में सफल रहे और ये लोग भारी संख्या में उम्मेदाराम के लिए वोट डालने आए। बेनीवाल की जीत की संभावना अच्छी लग रही है। रोचक यह भी है कि, आर.एल.पी. के हनुमान बेनीवाल, जिन्हें नागौर में कांग्रेस ने समर्थन दिया और जिनको समर्थन देने के लिए अशोक गहलोत ने नई दिल्ली में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था, ने एक जनसभा में घोषणा की कि, उनके समर्थकों को यह समझ लेना चाहिए कि, गठबंधन होने के बावजूद भी अगर कहीं वो नहीं जा रहे हैं, इसका मतलब है कि वो उस प्रत्याशी का समर्थन नहीं कर रहे हैं।

गहलोत उस मंच पर उपस्थित थे, जहाँ से हनुमान बेनीवाल ने यह वक्तव्य दिया। बाद में यह स्पष्ट किया गया कि, हनुमान बेनीवाल और उनकी पार्टी भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी को समर्थन दे रहे थे क्योंकि वो कांग्रेस प्रत्याशी से खुश नहीं थे। असल में उम्मेदाराम पूर्व में आर.एल.पी में ही थे। वे हाल ही में कांग्रेस में आए थे।

ऐसे में अशोक गहलोत और हनुमान बेनीवाल के प्रति उनके प्रेम के बारे में क्या ही कहा जाए। अपनी स्वयं की पार्टी के प्रत्याशी को हराने के लिए पार्टी के आदरणीय नेता इस तरह व्यवहार करते हैं। इस कहानी की अगली कड़ी अगले कुछ दिनों में आएगी।

भूखंड का कब्जा नहीं दिया, जे.डी.ए. पर 25 हजार रूपए का जुर्माना

जयपुर, 27 अप्रेल (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने 14 साल में भी अमृत कुंज योजना की लॉटरी में निकले आवासीय भूखंड का कब्जा आवंटी को नहीं देने को गंभीर सेवादोष करार दिया है। आयोग ने

- जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर प्रथम ने कहा कि, अमृत कुंज योजना में लॉटरी में निकला भूखंड 14 साल में भी आवंटी को नहीं दिया जाना जे.डी.ए. का गंभीर सेवादोष है।

भूखंड का कब्जा नहीं देने पर जे.डी.ए. पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए कहा कि विपक्षी के सेवादोष के कारण परिवादी अपनी बड़ी जमा राशि के उपयोग से भी वंचित रहा है।

उपभोक्ता आयोग ने जे.डी.ए. को जमा राशि 9,87,800 रुपए 16 जून 2021 से 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष सूबेसिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश मनफूल बैरवा के परिवाद पर फैसला सुनाते हुए दिया।

परिवाद में कहा गया है कि, जे.डी.ए. ने वर्ष 2010 में कालवाड़ रोड पर आवासीय योजना अमृत कुंज में भूखंड आवंटन के लिए आवेदन मांगे। इसमें परिवादी ने भी आवेदन किया और 8 सितम्बर, 2010 को लॉटरी से उसे 225 वर्गमीटर का भूखंड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजमेर में भाजपा के भागीरथ चौधरी का पलड़ा भारी, शानदार जीत की ओर अग्रसर

गहलोत की ज़िद ने अजमेर सीट भाजपा की झोली में डाली

अजमेर, 24 अप्रेल (कासं)। राजस्थान में दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। दूसरे चरण में अजमेर लोकसभा क्षेत्र से 14 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे लेकिन सीधा मुकाबला भाजपा के भागीरथ चौधरी व कांग्रेस के रामचन्द्र चौधरी के बीच था।

- गहलोत ने इस गुर्जर बहुल सीट से जानबूझकर अपने करीबी और 5 बार चुनाव हार चुके रामचन्द्र चौधरी को टिकट दिलवाया, पर वे अपनी कोई छाप नहीं छोड़ पाए।
- गहलोत ने क्षेत्र से सचिन पायलट को दूर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पायलट की उपेक्षा से क्षेत्र के गुर्जर पहले से ही नाराज हैं, इसलिए उन्होंने भाजपा के प्रति अपना रूझान दर्शाया।
- मतदान प्रतिशत कम होना भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा रहा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में ही कम मतदान हुआ है। शहरी क्षेत्र में मतदान अच्छा हुआ।

अजमेर की नसीराबाद व अजमेर उत्तर ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां कई गांव गुर्जर बाहुल्य हैं और सचिन पायलट की वजह से वो लोग कांग्रेस को वोट करते हैं। लेकिन वर्तमान लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पांच बार चुनाव हारने वाले, अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी को उम्मीदवार बनाया। इसे अशोक गहलोत की हठधर्मिता ही कही जाएगी कि, अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को अजमेर में प्रचार के लिए आने नहीं दिया। सचिन पायलट के नहीं आने के कारण कांग्रेस अपने जीत के दावे से दूर होती हुई नज़र आ रही है। वैसे अजमेर के गुर्जर मतदाता परम्परागत रूप से भाजपा के पक्ष में रहते हैं लेकिन सचिन पायलट के कारण गुर्जर वोटरों ने 2018 के विधानसभा चुनाव में एक तरफा कांग्रेस को मतदान किया था। इसके बाद जब कांग्रेस संगठन द्वारा सचिन पायलट की अनदेखी की जाने लगी तो गुर्जर कांग्रेस से दूर होते हुए नज़र आने लगे हैं।

दूसरी ओर भाजपा द्वारा जिले के गुर्जर नेता ओमप्रकाश भडाणा को देवनारायण बोर्ड का अध्यक्ष बनाने के बाद भडाणा ने गुर्जरों को भाजपा के समर्थन में लाकर खड़ा करने में खासी सफलता हासिल की है। कांग्रेस ने भाजपा के राजपूत और रावत वोट बैंक में सेंधमारी के जतन भी किए, लेकिन पुष्कर विधायक सुरेश रावत को केबिनेट मंत्री बनाने के कारण रावत वोटर्स का रूख भी भाजपा की ओर नज़र आ रहा है।

अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस व भाजपा दोनों के प्रत्याशी जाट समुदाय के हैं। साथ ही कांग्रेस का दावा था कि, जाट मतदाता उनके पक्ष में मतदान करेंगे। लेकिन, जाट मतदाता भी हवा का रूख भांपते हुए भाजपा की ओर नज़र आ रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के बलवंता से कांग्रेस को बढ़त मिली थी लेकिन पिछले लम्बे समय से वहाँ पेयजल की समस्या के चलते ग्रामीणों ने शुक्रवार को मतदान का बहिष्कार कर दिया था, पूरे गांव में मात्र 37 वोट ही डाले गए। वहाँ भी कांग्रेस को नुकसान होता हुआ नज़र आ रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में हुए 67 प्रतिशत मतदान के मुकाबले इस बार करीब 8 प्रतिशत मतदान कम हुआ है। कम मतदान प्रतिशत भी कांग्रेस के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ा रहा है। क्योंकि एस.सी. व एस.टी. बाहुल्य दूदू विधानसभा सीट पर पिछली बार के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत मतदान घटा है। एस.सी. व एस.टी. वर्ग को कांग्रेस के पक्ष का माना जाता है। दूदू, वर्तमान भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा का विधानसभा क्षेत्र भी है। गुर्जर बाहुल्य नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र में भी 10 प्रतिशत मतदान घटा है।

ज्ञातव्य है कि, सन् 2018 में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांवरलाल जाट के निधन के बाद रिक्त हुई अजमेर लोकसभा सीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर ममता बनर्जी चुनाव से पूर्व गिरकर घायल हुई!

इतनी बार ऐसा हादसा हुआ है ममता जी के साथ कि, चर्चा है कि, यह शगुन है। इस बार वे उस हैलीकॉप्टर में ही गिरीं, जिसमें वे यात्रा कर रही थीं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। तृणमूल कांग्रेस आदतन अपराधियों को शरण दे रही है। एक के बाद एक अपराध सामने आ रहे है, जिनके नेता लिप्त है और जनता के पैसे का गबन कर रहे हैं, यही नहीं नियुक्तियों में हुए फ़जीवाड़े को ढकने में लगे हैं।

- दूसरी ओर संदेशखाली में शेख शाहजहां के सहयोगी के घर से एन.आई.ए. ने हथियारों का जखीरा प्राप्त किया है, जिसमें विदेश में निर्मित पिस्तौल, बंदूकें, आदि शामिल हैं।
- ऐसी चर्चा है कि, यह जखीरा एन.आई.ए. की प्रथम ''रेड'' के समय उनके घर में मौजूद था और इसीलिये एन.आई.ए. की टीम पर हमला बोला गया था तथा मार पिटाई की गयी थी, जिससे एन.आई.ए. की टीम शेख शाहजहां के घर तक न पहुंच जाये।

भ्रष्टाचार और अपराधिक कारनामे ही पर्याप्त नहीं थे, अब तो हथियारों और अस्ले का जखीरा भी एक तृणमूल नेता के घर से मिला है जिसे शेख शाहजहाँ का करीबी माना जाता है।

केन्द्रीय एजेंसियों ने एन.आई.ए. के साथ मिलकर विदेश में बनी पिस्तौलें, बंदूकें व अन्य हथियार संदेशखाली से बरामद किये हैं। राज्य सरकार ने कोर्ट के एक ऑर्डर का भी विरोध किया है जिसमें तृणमूल के कार्यकर्ताओं द्वारा ज़मीन हड़पने, यौन उत्पीड़न व हफ्ता वसूली जैसे आरोपों की जाँच करने का निर्देश दिया गया है।

माना जाता है कि जब सी.बी.आई. और ई.डी. ने पहली बार संदेशखाली में रेड की थी तब हथियारों का यह जखीरा शेख शाहजहाँ के घर में था और इसीलिए उसने जाँच दल पर सुनियोजित तरीके से हमला करवाया ताकि वह हथियारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिख समाज की एक हजार प्रमुख हस्तियों ने भाजपा जॉइन की

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों और सिख समुदाय के प्रमुख नेताओं सहित लगभग 1,000 से अधिक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

- दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य भूपेन्द्र सिंह गिन्नी, रमनदीप सिंह थापर, परविंदर सिंह लक्की, मंजीत सिंह औलख, रमनज्योत सिंह, जैस्मीन सिंह नौनी और हरजीत सिंह पप्पा ने भाजपा जॉइन की।

भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में एक कार्यक्रम में पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ममता, केजरीवाल पर भाजपा का निशाना

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आतंकवादियों एवं अपराधियों को संरक्षण देने तथा आम आदमी पार्टी पर दिल्ली के सरकारी स्कूलों को बरबाद करने एवं बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

भाजपा के प्रवक्ता प्रेम शुक्ला और शहजाद पूनावाला ने आज पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ये आरोप लगाये। प्रेम शुक्ल ने पश्चिम बंगाल सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि बनर्जी के राज में संदेशखाली के गुंडे महिलाओं का मंगलसूत्र नोच रहे हैं और शाहजहां शेख जैसे बलात्कारियों को तृणमूल सरकार से संरक्षण प्राप्त है। जो शाहजहां शेख पुलिस की हिरासत में शहंशाह की तरह अदाएं पेश कर रहा था, कल सीबीआई की हिरासत में विलाप कर रहा था। शेख शाहजहां के विलाप का कारण है कि कल संदेशखाली में एनएसजी कमांडो ने सीबीआई के साथ संयुक्त छापेमारी की और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए। बंगाल पुलिस के हथियार भी शाहजहां शेख के गुर्गों के पास से बरामद हुए हैं। संदेशखली से इतनी अधिक मात्रा में हथियारों का बरामद होना इस बात को स्पष्ट करता है कि बंगाल पुलिस स्वयं आतंकवाद को शरण दे रही थी। एनएसजी को हथियारों का जखीरा बरामद होने के बाद भी बंगाल सरकार सीबीआई की जांच को रोकने के लिए उच्चतम न्यायालय तक जाती है। ममता सरकार द्वारा आतंकवाद को दिए जा रहे संरक्षण को देखकर स्पष्ट है कि किस तरह पश्चिम बंगाल अराजकता के मुहाने पर बैठा है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ममता बनर्जी की ममता आतंकवादियों, बलात्कारियों और भ्रष्टाचारियों के साथ है, लेकिन जैसे ही केन्द्रीय एजेंसियां एनआईए, ईडी या सीबीआई किसी भी आतंकवादी या भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई करती है तो ममता बनर्जी की निर्ममता प्रकट होती है। ममता बनर्जी बार-बार यह सवाल उठाती है कि एनआईए रात के समय क्यों कार्रवाई कर रही है, ईडी के अधिकारियों पर हमला करने वालों के समर्थन में ममता बनर्जी खड़ी होती है। सीबीआई के अधिकारियों द्वारा लाखों की नकदी बरामद की जाती है तो ममता दीदी भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ी जो जाती हैं, लेकिन एक बार भी सीबीआई का समर्थन नहीं करती हैं। ममता बनर्जी के राज में न तो मां सुरक्षित है, न ही माटी सुरक्षित है और न ही मानुष सुरक्षित है। बंगाल में शाहजहां जैसे बलात्कारी, आतंकवादी और ईडी पर हमला करने वाले गुंडे सुरक्षित हैं।

शुक्ल ने कहा कि एनएसजी के कमांडो द्वारा हथियारों की बरामदी के बाद भी तृणमूल सरकार को सीबीआई जांच को रोकने और न्यायालय में जाने का नैतिक अधिकार है? क्या राजनीतिक निर्देश पर शाहजहां शेख के गुर्गों को पश्चिम बंगाल की पुलिस सुरक्षा दे रही है? जिस बंगाल में सुभाष चंद्र बोस का शौर्य प्रदर्शित होता था, गुरु रवीन्द्र का संगीत लोगों के कानों में गूंजता था और अरविंदो घोष का दर्शन प्रचलित था, आज वह बंगाल बम धमाकों की गूंज सुनाई दे रही है। पश्चिम बंगाल की जनता चरण दर चरण बढ़-चढ़कर मतदान में भाग ले रही है और आगामी 4 जून को अपना जनादेश स्पष्ट कर देगी। इंडी अलायंस के नेता छोटे-छोटे मुद्दों पर भी ट्वीट और टिप्पणी करते हैं, लेकिन संदेशखाली जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ममता की निर्ममता पर राहुल, स्टालिन, उद्धव और अखिलेश चुप क्यों है?

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि उच्च न्यायालय दिल्ली की सरकार को लिखित में अनेक संदेश दे रहा है। जिस प्रकार बंगाल में ना मां, ना माटी और ना मानुष सुरक्षित है, सुरक्षित केवल शाहजहां है ठीक उसी प्रकार दिल्ली में भी ना लाखों बच्चे और ना उनका भविष्य सुरक्षित है यदि सुरक्षित है तो सिर्फ शराब घोटाले में लिप्त सरगना है। रामलीला मैदान में कुछ लोग सियासत बदलने आए थे. परन्तु इसी रामलीला मैदान में बदलते हुए और सियासी रूप से अपना धर्मांतरण करते हुए कुछ लोगों का चेहरा हमने लगातार देखा है। किस प्रकार झाड़ू से दारू तक, स्वराज से शराब तक, अन्ना हजारे से लालू तक और इंडिया अगेन्स्ट करप्शन से जिन्होंने शुरूआत की, वो लोग इंडी अलायंस आफ करप्शन तक पहुंच गए। जो लोग ये नारा लगाया करते थे कि लालू, सोनिया, राहुल और अखिलेश को जेल भेजना है। आज उन्ही लालू, सोनिया, राहुल और अखिलेश के साथ खड़े होकर कहते हैं कि हमें जेल भेज दिया, तब भी हम सरकार जेल से ही चलाएंगे। यह जो सियासी धर्मांतरण हुआ है इस पर केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि आज दिल्ली के उच्च न्यायालय भी आज मोहर लगा रहा है।

जालोर-सिरोही लोकसभा सीट से हार रहे हैं वैभव गहलोत

करोड़ों रूपए खर्च करके भी मतदाता को बूथ तक नहीं ला पाए अशोक गहलोत

जालोर, 27 अप्रेल (कासं)। जालोर - सिरोही लोकसभा क्षेत्र पर प्रदेशभर की नजरें गड़ी हुई हैं। इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन इस लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री का जादू चल नहीं पाया है। गत चुनाव की तुलना में इस बार मत प्रतिशत घटा है। लेकिन प्रवासियों ने मत प्रतिशत को बढ़ाने का प्रयास किया है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनाव में जालोर - सिरोही की आठों विधानसभा सीटों में से मात्र एक, जालोर विधानसभा सीट पर ही मत प्रतिशत बढ़ा है। शेष जगह मत प्रतिशत कम रहा है। गहलोत ने प्रचार प्रसार में करोड़ों रुपए खर्च किये, लेकिन वे मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर पहुंचने में विफल रहे। जालोर -सिरोही में साठ प्रतिशत से अधिक मतदान होना भाजपा प्रत्याशी के लिए राहत की खबर है।

- पूर्व मुख्यमंत्री ने बेटे के लिए प्रचार में करोड़ों रूपए खर्च किए, पर उनके प्रचार में शो ऑफ ''ज्यादा'' रहा, जबकि भाजपा ने बूथ स्तर पर सुव्यवस्थित प्रचार किया और मतदाताओं को घर से निकलकर मतदान केन्द्र तक पहुंचाया।
- वैभव के प्रचार में गहलोत को अपने धन बल पर भरोसा इतना ज्यादा था कि, उन्होंने सचिन पायलट के जालोर आने में भी रोड़ा अटकाया, जबकि कहा जा रहा है कि, अगर पायलट आते तो वैभव को कुछ फायदा हो सकता था।
- जालोर-सिरोही लोकसभा सीट में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं, इनमें से मात्र जालोर सीट पर ही वोट प्रतिशत बढ़ा है। बाकी जगहों पर वोटिंग कम रही। जालोर में ज्यादा वोटिंग की भाजपा के लिए फायदे का सौदा है।

जालोर - सिरोही लोकसभा सीट पर गत चुनाव की तुलना में करीब तीन प्रतिशत कम मतदान हुआ है। 2019 में 65.74 प्रतिशत मतदान हुआ था, उसकी तुलना 2024 में 62.89 प्रतिशत मतदान हुआ। जालोर में दोपहर 1 बजे तक मत प्रतिशत 41.47 प्रतिशत था, उसके बाद पांच घंटों में मत प्रतिशत 62.89 हो गया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जालोर- सिरोही सीट पर करोड़ों रूपये प्रचार में खर्च किये, लेकिन उनके प्रचार में दिखावा ज्यादा रहा। दूसरी तरफ भाजपा ने बूथ लेवल से लेकर जमीनी स्तर पर मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने का कार्य किया। यह सीट चौधरी बाहुल्य है और शादी का सीज़न होने के कारण बड़ी संख्या में प्रवासी जालोर -सिरोही पहुंचे हैं। इसमें से अधिकतर चौधरी, देवासी, राजपुरोहित जाति के मतदाता हैं। जो भाजपा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आई.सी.आई.सी.आई. बैंक का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई 27 अप्रैल (वार्ता) निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में 10707.53 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 9122 करोड़ रुपये की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

बैंक ने शेयर बाजार को सूचित किया कि मार्च 2024 को समाप्त इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 19093 करोड़ रुपये रही जो मार्च 2023 में समाप्त तिमाही के 17667 करोड़ रुपये की आय की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। उसने कहा कि इस तिमाही में उसका सकल एनपीए 2.16 प्रतिशत रहा है जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में यह 2.81 प्रतिशत रहा था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए मार्च 2023 की तिमाही के 0.48 प्रतिशत से घटकर 0.42 प्रतिशत पर आ गया। बैंक के निदेशक मंडल ने मार्च 2024 में समाप्त वित्त वर्ष के लिए 10 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

पहले चरण के मतदान के बाद कांग्रेस के घोषणा पत्र को मिला नया स्तर : चिदंबरम

चिदम्बरम ने कहा कि, पहले चरण के चुनाव के बाद अपनी हार सुनिश्चित देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को महत्व देना शुरु किया है

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने पार्टी के घोषणा पत्र की लगातार आलोचना करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आज तंज कसा और कहा कि पहले चरण के मतदान में अपनी हार सुनिश्चित देखते हुए मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को महत्व देना शुरू किया है।

चिदंबरम ने कहा कि, मोदी द्वारा लगातार की जा रही आलोचना से कांग्रेस के घोषणा पत्र को नया स्तर मिला है और इसको लेकर जनता में जो चर्चा शुरू हुई है उससे कांग्रेस की बात लोगों के बीच पहुंची है और इसके लिए वह मोदी का धन्यवाद करते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ट नेता ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा , गौर करने वाली बात यह है कि गत 05 अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच मोदी कांग्रेस के घोषणापत्र को बराबर नजरअंदाज करते रहे लेकिन 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान की बाद वह लगातार कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कड़ी प्रतिक्रिया कर रहे हैं।

पूर्व वित्त मंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के बाद अपनी हार सुनिश्चित देखी हुई है उन्होंने जो आलोचना शुरू की है उससे घोषणापत्र को एक नया कद मिला है।

उन्होंने तंज करते हुए कहा मोदी सरकार चली गयी। कुछ दिनों के लिए बीजेपी सरकार थी कल से कल से एनडीए सरकार है। क्या आपने 19 अप्रैल के बाद से हुए नाटकीय बदलाव पर ध्यान दिया है। पहले चरण के मतदान के बाद 19 अप्रैल से घोषणापत्र को एक नया कद मिल गया है। धन्यवाद, प्रधान मंत्री।

उन्होंने आगे कहा जिन राज्यों में 26 अप्रैल को मतदान हुआ, वहां से खबरें कांग्रेस के लिए बेहद उत्साहजनक हैं। केरल में यूडीएफ के 2019 का शानदार प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है। कर्नाटक की 14 सीटों पर कल मतदान हुआ और कांग्रेस 2019 के अपने स्कोर में काफी सुधार करेगी। राजस्थान में कांग्रेस कई सीटें जीतेगी। सभी 25 सीटें भाजपा के पास हैं और अच्छे स्कोर के साथ कांग्रेस वहां वापसी करेंगी।

विचार बिन्दु

जिस तरह घोंसला सोती हुई चिड़िया को आश्रय देता है उसी तरह मौन तुम्हारी वाणी को आश्रय देता है। –रवींद्रनाथ ठाकुर

पुराने वनों का संरक्षण सबसे बड़ा प्राकृतिक जलवायु समाधान है

ऐसे वन जो विकास के उन्नत चरण में हैं या जहाँ विविध प्रजातियों के पुराने, मोटे और बड़े वृक्षों की बहुतायत है उन्हें दुनिया प्राइमरी फॉरेस्ट्स या ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स के नाम से जानती है। ऐसे वनों के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक महत्त्व पर विश्व भर में बड़ी शोध हुई है। ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स की अभी भी कोई एक मानक परिभाषा नहीं है। फिर भी इन वनों में प्रमुख प्रजातियों की लंबी उम्र, प्राकृतिक गड़बड़ी का कम से कम होना, मानव हस्तक्षेप का कम होना, छाया–सहिष्णुता या छाया में भी उग सकने वाली प्रजातियों की बहुलता, विशिष्ट संरचनाओं, जैसे बड़े–बड़े पेड़, खोखलों में घोंसले बनाने वाले पक्षियों की उपस्थिति और बहुतायत, भारी–भरकम पुराने वृक्षों के यत्र तत्र गिरे–पड़े संचित सूखे तने, मिट्टी के ऊपर पत्तियों और सूखी टहनियों की मोटी परत आदि लक्षणों के संदर्भ में पहचाना और परिभाषित किया जाता है। इन क्षेत्रों में मिलने वाले बड़े वृक्षों में मधुमक्खियों के छत्ते भी प्राय: देखे जाते हैं। इसके अलावा बड़े वृक्षों के मुख्य तने में छाल में निवास करने वाले विविध प्रजातियों के कीड़े–मकोड़े पाये जाते हैं। सैप्रोजायलिक कवक, लाइकेन तथा कीड़ों की प्रजातियां बड़ी संख्या में सूखी गिरी पड़ी लकड़ी पर निर्भर होती हैं।

ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट के नीचे की मिट्टी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पोषक तत्वों की प्राय: कोई कमी नहीं पाई जाती। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम के साथ सूक्ष्म पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं क्योंकि यदि आग, चराई और कटान नहीं हो रहा है तो बायोजियोकेमिकल चक्र सुचारु रुप से चलते हैं। ऐसा संभव है ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स के आसपास कोई नदी नाला या नम भूमि इत्यादि हो। प्राय: यह भी देखा गया है कि ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स में पौधों और प्राणियों की जो प्रजातियां मिलती हैं वे समीपवर्ती वन क्षेत्रों से कुछ भिन्न हो सकती हैं। इन क्षेत्रों में प्राय: बड़े बीजों वाली प्राणी–विकीर्णित वृक्ष प्रजातियों का बाहुल्य होता है।

उष्णकटिबंधीय वनों में जहां प्रजातियों की विविधता और प्राकृतिक वातावरण पर मानव दबाव दोनों ही अधिक हैं, भूमि–उपयोग परिवर्तन जैव–विविधता को गंभीर खतरे में डालते हैं। कृषि, लकड़ी के लिये कटान, उद्योगों की स्थापना और अन्य उपयोगों के लिये उष्णकटिबंधीय वनों के तेजी से बदलाव उष्णकटिबंधीय जैव–विविधता को नष्ट कर देते हैं। एक शोध जो 138 अध्ययनों की मेटा–एनालिसिस का उपयोग कर की गयी, के परिणाम उष्णकटिबंधीय जंगलों में मानवीय दखल के कारण विक्षोभ और भूमि रूपांतरण से जैव–विविधता पर पड़ने वाले प्रभाव का वैश्विक मूल्यांकन प्रदान करते हैं (देखें, एल. गिब्सन इत्यादि, नेचर, 478(7369):378–381, 2011)। इस अध्ययन में प्राथमिक वनों जिनमें कोई मानवीय दखल नहीं था और बिगड़े वनों जिनमें मानवीय दखल था, में जैव–विविधता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। यह पाया गया अवक्रमित या बिगड़े वनों में जैव–विविधता की स्थिति तमाम कारणों से बहुत ख़राब थी। यह वैश्विक शोध निर्विवाद रूप से सिद्ध करती है की वन–विनाश के विविध कारणों का उष्णकटिबंधीय जैव–विविधता पर अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। उपरोक्त एवं अन्य शोध के परिणाम स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि जब उष्णकटिबंधीय जैव–विविधता को बनाये रखने की बात आती है, तो प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है (देखें, जे. बार्लो इत्यादि, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, 104(47):18555–18560, 2007)।

संपूर्ण विश्व के कुल 23 से 26 प्रतिशत वन ही अब प्राइमरी या ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स के रूप में बचे हैं। राजस्थान में कई जिलों में ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स अभी भी बचे हुये हैं, हालांकि ऐसे वन उष्णकटिबंधीय शुष्क क्षेत्रों में विशेष रुप से संकटापन्न हैं। संकट के मुख्य कारण आसपास रहने वाली मानव आबादी के पालतू मवेशियों द्वारा चराई, जलाऊ लकड़ी के लिये कटाई और घर बनाने के लिये इमारती लकड़ी की कटाई इत्यादि हैं। ऊपर से प्राकृतिक और मानव–जनित कारणों से आग भी ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स को बड़ी हानि पहुँचती है। कई क्षेत्रों में बड़े वृक्षों की शाखाओं को काट कर साल दर साल चारे के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये पुराने वनों से अर्जुन (कहुआ, कोहड़ा) के बड़े वृक्षों की शाखाओं को काटकर भैंसों के चारे के रूप में उपयोग होता है। हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है। जिन क्षेत्रों में बीजों का उत्पादन होता भी है वहां बीज विकीर्णन करने वाली वन्य–प्राणी प्रजातियां ना होने से अब केवल बड़े वृक्ष ही बचे हैं क्योंकि प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं के बराबर है। जो भी थोड़ा बहुत पौधे उगते हैं वे भी बड़े होने के पहले ही चर लिये जाते हैं। आग का भी प्रकोप होता है, हालांकि उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में पिछले 30 वर्षों वनों में प्राय: सतही आग ही लगी है। इससे बड़े वृक्षों को भले ही हानि ना होती हो, किंतु बीजों, बिजौलों व प्राकृतिक पुनरुत्पादन को बड़ी हानि पहुंचती है। क्लाइमेट चेंज की दशा में आर्द्र तराई क्षेत्रों के वनों में हर जगह पुराने जंगलों में जमीन के ऊपर के जैवभार (बायोमास) में कमी आने की भारी आशंका है। उष्ण कटिबंध में वर्ष 2081–2100 के मध्य तक तापमान बढ़ने के कारण इस कमी का अनुमान 41 प्रतिशत और विश्व स्तर पर 29 प्रतिशत है (देखें, एम. लर्जावारा इत्यादि, कार्बन बैलेंस एंड मैनेजमेंट, 16(1):31, 2021)।

प्राकृतिक और मानव-जनित कारणों से आग भी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को बड़ी हानि पहुँचती है। कई क्षेत्रों में बड़े वृक्षों की शाखाओं को काट कर साल दर साल चारे के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है।

पुराने वनों का संरक्षण और प्रबंध प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में विशेष महत्व रखता है। कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन और भंडारण के साथ ही इन वनों के अनगिनत लाभ हैं। वनानुभव व पारिस्थितिक पर्यटन, मानव के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य हेतु संसाधन, जैव–विविधता व आनुवंशिक संसाधन का संरक्षण, भौम–जलस्तर में बढ़त व जल–धाराओं, झरनों व नदियों के रूप में पानी की उपलब्धता, देववनों के रूप में स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों के वाहक होते हैं। ऐसे वनों के संरक्षण को बढ़ावा देने वाली रणनीतियाँ केवल इन वनों को केन्द्रित कर बनाये जाने के बजाय सम्पूर्ण भू–परिदृश्य के स्तर पर बनाना आवश्यक होता है। पहली बात इनमें बड़े वृक्षों की बहुतायत के कारण बड़ी मात्रा में कार्बन जमा होता है और सैकडों साल तक होता रहता है, इसीलिये ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स को विश्व के कार्बन भण्डार के रूप में जाना जाता है। क्लाइमेट चेंज मिटीगेशन के लिए यह भण्डार अति महत्वपूर्ण है (देखें, एस. लुस्स्येर्ट इत्यादि, नेचर, 455(7210):213–215, 2008)। दूसरी बात यह है कि पुराने पेड़ों में अपेक्षाकृत स्थिर विकास दर होती है, जो ग्लोबल वार्मिंग के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रतिरोध देती है (देखें, एम. कोलेंगेलो इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 801,149684, 2021)। इसके साथ ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे वन अन्य क्षेत्रों में वनों के पुनर्स्थापन के लिये उन प्रजातियों के बीजों और जैव–विविधता के सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं जो लोगों के सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं किन्तु उष्णकटिबंधीय वनों के अन्य क्षेत्रों से स्थानीय रुप से विलुप्त हो चुकी हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 17(2):633–635, 2003)।

इसी बात को ध्यान में रखते हुये देश के विभिन्न राज्यों में सभी ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स को चिन्हित कर संरक्षण व संवर्धन एवं सतत विकास किया जाना आवश्यक है। इन क्षेत्रों के अंदर पुराने और बड़े वृक्षों का संरक्षण और साथ में संपूर्ण क्षेत्र का संरक्षण दोनों को ही ध्यान रखना आवश्यक है। यहाँ चराई और कटाई से बचाव के साथ–साथ यहां सूखी गिरी पड़ी लकड़ी को भी बाहर निकालने से रोकना आवश्यक है। जैसा कि ऊपर बताया गया है सूखे गिरे पड़े वृक्ष भी तमाम प्रजातियों के संरक्षण के लिये आवश्यक हैं।

यदि इन क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं हो रहा है तो वनों के वितान में जहां खुले स्थान मिल रहे हैं वहां पर उसी प्रकार की प्रजातियों का रोपण आवश्यक है जो ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट में पाई जाती हैं। ऐसी प्रजातियां प्राय: बड़े बीजों वाली और चौड़ी पत्ती वाली होती हैं। बड़े बीज होने से इनका विकीर्णन बड़े शरीर वाले प्राणियों द्वारा ही हो सकता है परंतु चूंकि अनेक क्षेत्रों से बड़े शरीर वाले प्राणी विलुप्त हो चुके हैं इसलिए हमें वृक्षारोपण, सीधी बुवाई और डंडारोपण करना आवश्यक हो जाता है। उदाहरण के लिए राजस्थान में बड़े बीजों वाली प्रजातियों में आम, महुआ, जामुन, अर्जुन, बहेड़ा, सादड़, कणज, घटबोर, लिसोड़ा, बीजासाल, खाखरा, कड़ाया, सीताफल, बेल, नीम, कचनार, तेंदू, बिस्तेंदू, गोदल, ऊंबिया, इमली, सागवान, बेर, खजूर, अचार या चारोली, कुसुम, हिंगोट, अरीठा, आदि शामिल हैं। कुछ ऐसी प्रजातियाँ भी उगाना चाहिये जो फलों के लिये प्रसिद्ध हैं, भले ही वे छोटे बीज वाली हों। आँवला, बरगद, कैंथगूलर, पीपल, कैर, लिसोड़ा, जाल, खेजड़ी आदि फल के लिये जानी जाती हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, अरावली के वन्य वृक्ष: वनवर्धन एवं पौधशाला प्रबंध, पृष्ठ 1–24, 1992)।

चूंकि ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट्स का दायरा धीरे–धीरे बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए सबसे उपयोगी यह है कि ऐसे क्षेत्रों को फॉरेस्ट रेस्टोरेशन के लिये चयनित किये जा रहे बड़े क्षेत्रों के अंदर लेकर बड़े दायरे में बीजारोपण व बहुत आवश्यक हो तो वृक्षारोपण करना चाहिये। बाहर के दायरे में जहां प्रजाति विविधता कम है या क्षेत्र खाली हो गये हैं वहां पर अर्ली–सक्सेशनल, मिड–सक्सेशनल, और लेट–सक्सेशनल प्रजातियों के मिश्रण की मृदा व जल संरक्षण के साथ सीधी बुवाई किया जाना उपयोगी रहेगा। साथ ही थोड़ी–बहुत वनस्पति जो उस क्षेत्र में हो उसका संरक्षण करना उपयोगी रहेगा। ऐसा करने से धीरे–धीरे ओल्ड–ग्रोथ फॉरेस्ट का दायरा बढ़ने लगेगा। इस रणनीति का एक लाभ यह भी है कि क्षेत्र में पक्षियों द्वारा विकीर्णित होने वाले बीजों का विकीर्णन भी पूरे वृक्षारोपण क्षेत्र में बढ़ेगा। सुरक्षित क्षेत्र में होने वाला अंकुरण और पनपने वाले पौधों के सुरक्षित बड़े पौधों के रूप में विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

प्राचीन, विशालकाय वृक्षों वाले उष्णकटिबंधीय वन जैव–विविधता की जीती–जागती अनमोल विरासत हैं। इनका संरक्षण वैश्विक प्राथमिकता है। उष्णकटिबंधीय वनों और जैव–विविधता से मानवता को प्राप्त होने वाले सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ हेतु पुराने प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है। प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में इन वनों के प्रमाण–आधारित प्रबंध में निवेश अनिवार्य है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सेल थेरेपी: कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नया हथियार

प्रो. अशोक कुमार

भारत में कैंसर एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। 2022 में, भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 14,61,427 थी, जो दुनिया में कैंसर के मामलों का लगभग 20 है। कैंसर से होने वाली मृत्यु दर भी भारत में उच्च है, 2018 से 2022 के दौरान 8,08,558 लोगों की मृत्यु हुई। कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर पता लगाने और इलाज के साथ, कई लोगों को कैंसर से ठीक होने में मदद मिल सकती है।

दशकों से, कैंसर के इलाज की नींव सर्जरी, कीमोथेरेपी और विकिरण थेरेपी रही है। ये उपचार के महत्वपूर्ण मुख्य आधार बने हुए हैं, लेकिन उपचार की नई श्रेणियों ने हाल ही में कैंसर से पीड़ित लोगों के लिए उपचार की तस्वीर बदलने में मदद की है।

पिछले एक दशक में, इम्यूनोथेरेपी – ऐसी थेरेपी जो ट्यूमर पर हमला करने के लिए रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली की शक्ति को बढ़ाती है और मजबूत करती है – तेजी से बन गई है जिसे कई लोग कैंसर के उपचार का 'पांचवां स्तंभ' कहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रतिरक्षा प्रणाली–बढ़ाने वाली दवाओं ने उन्नत कैंसर वाले कुछ लोगों में ट्यूमर को कम करने और यहां तक कि खत्म करने की क्षमता दिखाई है। रोगियों के एक छोटे से प्रतिशत में, ये उपचार प्रतिक्रियाएँ वर्षों तक बनी रह सकती हैं।

उदाहरण के लिए, इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर नामक दवाएं मेलेनोमा, फेफड़े, किडनी, मूत्राशय और लिम्फोमा सहित कई प्रकार के कैंसर से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए पहले से ही व्यापक उपयोग में हैं।

कार टी-सेल थेरेपी: एक 'जीवित दवा'

सीएआर टी कोशिकाएं 'मरीज़ों को एक जीवित दवा देने' के बराबर हैं! जैसा कि उनके नाम से पता चलता है, टी कोशिकाएं – जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में मदद करती हैं और रोगजनकों से संक्रमित कोशिकाओं को सीधे मारती हैं – सीएआर टी–सेल थेरेपी की रीढ़ हैं।

कार टी सेल थेरेपी

रक्त कैंसर के लिए नवीनतम, सबसे आशाजनक उपचारों में से एक काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर)–टी सेल थेरेपी है। ये उपचार कैंसर से लड़ने में मदद के लिए आपके शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली का उपयोग करते हैं।

कार टी सेल थेरेपी क्या है?

सीएआर टी सेल थेरेपी एक प्रकार का कैंसर इम्यूनोथेरेपी उपचार है जो टी कोशिकाओं नामक प्रतिरक्षा कोशिकाओं का उपयोग करता है जिन्हें प्रयोगशाला में आनुवंशिक रूप से बदल दिया जाता है ताकि उन्हें कैंसर कोशिकाओं को अधिक प्रभावी ढंग से नष्ट करने में सक्षम बनाया जा सके।

लेकिन, सीएआर टी सेल थेरेपी से किन बीमारियों का इलाज किया जाता है? सीएआर टी उपचार कुछ प्रकार के कैंसर के खिलाफ बहुत प्रभावी हो सकता है, तब भी जब अन्य उपचार काम नहीं कर रहे हों। वर्तमान में, सीएआर टी थेरेपी कई प्रकार की हेमटोलॉजिकल विकृतियों के इलाज के लिए एफडीए–अनुमोदित है, जिनमें शामिल हैं: लेकिमिया, लिंफोमा, एकाधिक मायलोमा

कार टी सेल थेरेपी कैसे काम करती है?

टी कोशिकाएं श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं जो पूरे शरीर में बीमारी और संक्रमण का पता लगाती हैं और उनसे लड़ती हैं। प्रत्येक टी कोशिका में एक रिसेप्टर होता है जो एंटीजन (प्रोटीन या अणु जो प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा पहचानने योग्य होते हैं) को पहचान सकता है। जब प्रतिरक्षा प्रणाली विदेशी या असामान्य एंटीजन को पहचानती है, तो यह उन्हें नष्ट करने का काम कर सकती है।

लेकिन कैंसर कोशिकाओं में कभी–कभी एंटीजन होते हैं जिन्हें शरीर असामान्य नहीं पहचान पाता है। परिणामस्वरूप, प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं से लड़ने के लिए टी कोशिकाओं को नहीं भेज सकती है। अन्य मामलों में, टी कोशिकाएं कैंसर कोशिकाओं को साफ़ करने में सक्षम नहीं हो सकती हैं।

काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर टी कोशिकाएं वे कोशिकाएं हैं जिन्हें प्रयोगशाला में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर (परिवर्तित) किया जाता है। उनके पास एक नया रिसेप्टर होता है जिससे वे कैंसर कोशिकाओं से जुड़ सकते हैं और उन्हें मार सकते हैं।

विभिन्न प्रकार के कैंसर में अलग–अलग एंटीजन होते हैं। प्रत्येक प्रकार की सीएआर टी सेल थेरेपी एक विशिष्ट प्रकार के कैंसर एंटीजन से लड़ने के लिए बनाई जाती है। इसलिए एक प्रकार के कैंसर के लिए बनाई गई सीएआर टी सेल थेरेपी दूसरे प्रकार के कैंसर के खिलाफ काम नहीं करेगी।

सीएआर टी थेरेपी प्रक्रिया: सीएआर टी सेल थेरेपी एक जटिल प्रक्रिया है जिसे व्यापक अनुभव वाले विशेषज्ञों द्वारा किया जाना चाहिए।

इस प्रक्रिया में कुछ सप्ताह लगते हैं, और चरणों में आम तौर पर शामिल होते हैं:

टी कोशिकाओं को एकत्रित करना: हम आपकी बांह की नस से रक्त निकालते हैं। रक्त एक ट्ययूब के माध्यम से एफेरेसिस मशीन में प्रवाहित होता है, जो टी कोशिकाओं को हटा देता है। मशीन शेष रक्त को एक अलग ट्ययूब के माध्यम से आपके शरीर में वापस लौटा देती है।

टी कोशिकाओं की इंजीनियरिंग: एक प्रयोगशाला में, वैज्ञानिक एक निर्मित सीएआर जोड़कर टी कोशिकाओं की इंजीनियरिंग करते हैं। फिर लैब सीएआर टी कोशिकाओं को गुणा और बढ़ने देती है।

सीएआर टी कोशिकाओं को शामिल करना: एक बार जब प्रयोगशाला में पर्याप्त सीएआर टी कोशिकाएं हो जाती हैं, तो हम उन्हें वापस आपकी बांह में इंजेक्ट कर देते हैं।

कार टी सेल थेरेपी साइड इफेक्ट्स

सीएआर टी सेल थेरेपी कुछ दुष्प्रभाव या जटिलताएँ पैदा कर सकती है।

सीएआर टी सेल थेरेपी की एक गंभीर जटिलता साइटोकिन रिलीज सिंड्रोम (सीआरएस) है। सीएआर टी कोशिकाएं साइटोकिन्स नामक रसायन छोड़ सकती हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली से प्रतिक्रिया का कारण बनता है। संकेत और लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: बुखार और ठंड लगना, चक्कर आना, चक्कर आना या सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द, मतली, उल्टी या दस्त, तेज धडकन, कम रक्तचाप, सांस लेने में दिक्कत! सीएआर टी थेरेपी तंत्रिका तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन संकेतों और लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: भ्रम, झटके (कंपकंपी) या दौरे, बोलने या समझने में परेशानी होना, संतुलन या चेतना की हानि! अन्य गंभीर दुष्प्रभाव जिनके लिए चिकित्सकीय ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है उनमें शामिल हैं: रक्त में महत्वपूर्ण खनिजों का असामान्य स्तर एलर्जी संक्रमण, चोट लगने या रक्तस्त्राव का खतरा।

–प्रो. अशोक कुमार
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय ,
अध्यक्ष आईएसएलएस, प्रिसिडेंट सोशल रिसर्च फाउंडेशन, कानपुर

24 घंटे पानी देने वाले हैंडपंप आज शो पीस बनकर खड़े हैं

किशनगढ़बास में हनुमान मंदिर के पीछे चौक में लगा हैंडपंप शो-पीस बनकर रह गया है।

किशनगढ बास, (निसं)। 24 घंटे पानी देकर लोगों की जरूरत को पूरा करने वाले हेडपंप देख–रेख के अभाव में आज शो पीस बनकर खड़े हैं। लोग हैंड पंप की अहमियत को भूल गए हैं। चलते हुए राहगीर भी हेड पंप का पानी पीकर अपने कंठों की प्यास बुझा लिया करते थे।

नगर पालिका जन अभियंत्रिक विभाग पानी की समस्या ग्रस्त इलाकों में पानी की आपूर्ति करने के लिए हजारों लाखों रुपए टैंकरों से पानी पहुंचाने पर खर्च कर देता है लेकिन 24 घंटे लोगों को पानी देने वाले वीरान पडे हेडपंपो पर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं गया है। इतना ही नहीं हेड पंपों को जनप्रतिनिधि भूल से गए हैं और कोई नहीं जो ठीक कराने के लिए आवाज उठाए।

नगर पालिका किशनगढ बास में 25 वार्ड है और हर वार्ड के गली मोहल्लों के साथ सार्वजनिक पार्क मंदिर स्कूल हॉस्पिटल बस स्टैंड आदि स्थानों पर हेड पंप लगे हैं। इन हेड पंपों को लगाने पर सरकार का लाखों करोडों रुपया खर्च हुआ होगा। कहीं भूजल स्तर नीचे चले जाने से हेड पंप पानी देना छोड गए हैं तो कहीं तकनीकी खराबी के कारण पानी नहीं दे पा रहे हैं। सालों से हेड पंप सार्वजनिक एवं सरकारी स्थानों पर शोपीस बनकर खड़े हैं। कुछ साल पहले तक लोग हेड पंप लगवाने के लिए तरसते थे नेताओं और अधिकारियों के चक्कर लगाया करते थे। हेड पंप लगाने के लिए मिन्नत किया करते थे अब लगता है लोगों की नजरों में हेड पंप का महत्व घट गया है।

- **प्रधानमंत्री की हर घर नल से पानी पहुंचाने की योजना ने हेड पंप की अहमियत को खत्म किया**

हेडपंप लगने पर आसपास के कॉलोनी मोहल्ले के खुश होते थे। पानी भरने वालों की लाइन लगा करती थी। आज कोई खराब पड़े हेड पंप को ठीक कराने के लिए आवाज उठाने वाला तक नहीं रहा है। लोगों का मानना है कि हेड पंप ठीक हो जाए और फिर से पानी देने लगे तो पानी की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। टैंकरों से पानी पहुंचाने पर होने वाले खर्च से बचा जा सकता है। वहीं चलते राहगीर भी हेड पंप का पानी पीकर अपनी प्यास को बुझा सकते हैं लेकिन यह बात ना तो अधिकारियों को समझ में आ रही है और ना ही लोग समझ पा रहे हैं। हर किसी व्यक्ति का केवल बोरिंग पर ध्यान केंद्रित होकर रह गया है। हेड पंपों को लोग भूल सा गए हैं। इसमें दोष किसी का नहीं है क्योंकि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर घर तक नल से पानी पहुंचाने की बात कर रहे हैं। ऐसे में अधिकारी जनप्रतिनिधियों का ध्यान हर घर तक पानी पहुंचाने में लगा है। लेकिन हेड पंप की अहमियत को अगर समझा जाए तो अलग है। हेड पंप वह व्यवस्था है जो कभी भी आदमी पानी की प्यास बुझाने के लिए काम में ले सकता है।

देश की दूसरी महिला रेस्क्यू टीम का गौरव भी हिन्दुस्तान ज़िंक को

रामपुरा आगुचा माइंस में महिला टीम ने पूर्ण प्रशिक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। हिन्दुस्तान जिंक की राजपुरा दरीबा माइंस के देश के पहली महिला रेस्क्यू टीम का गौरव हासिल करने बाद रामपुरा आगुचा माइंस में महिला रेस्क्यू टीम ने अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर देश में दूसरी महिला माइंस रेस्क्यू टीम की उपलब्धी प्राप्त की हैं। रामपुरा आगुचा खदान का सुरक्षा में समावेशिता और उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

माइन रेस्क्यूएनस्टेशन, वेस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड, नागपुर के विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं खान सुरक्षा महानिदेशालय के निर्देशों के अनुपालन में, रामपुरा आगुचा खदान की महिला इंजीनियर ने 18 दिनों का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किया।

अंडरग्राउंड माइन ऑपरेशंस एंड मेंटेनेंस की 8 प्रतिभाशाली महिला इंजीनियरों को भूमिगत खदान बचाव तकनीकों में सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में टीम को महत्वपूर्ण जीवन–रक्षक कौशल, जिसमें सीपीआर, स्व–निहित क्लोज्ड सर्किट ब्रीदिंग उपकरण का उपयोग, पुनर्जीवित उपकरण, और हताहतों को बचाने के लिए घनी आग और धुएं वाले क्षेत्रों में नेविगेट करना शामिल है। इसके अलावा, उन्हें जमीन ढहने परिस्थिति में फंसे व्यक्तियों को बचाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। अत्याधुनिक तकनीकों और बचाव उपकरणों का उपयोग करते हुए, टीम सभी कार्यों में सुरक्षा और दक्षता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करते हुए, फंसे हुए खनिकों को खोजने और बचाने में भी दक्ष है।

- **राजपुरा दरीबा के बाद रामपुरा आगुचा माइंस में महिला टीम ने पूर्ण प्रशिक्षण किया**
- **हिन्दुस्तान जिंक की राजपुरा दरीबा माइंस के देश के पहली महिला रेस्क्यू टीम का गौरव पहले ही हासिल हो चुका है**

राशिफल रविवार 28 अप्रेल, 2024

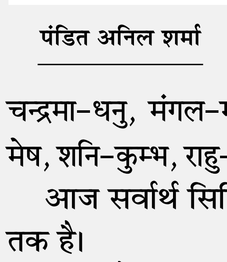

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 4:49 तक, शिव योग रात्रि 4:05 तक, बालव करण प्रात: 8:22 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मेष, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:49 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:32 से 9:10 तक, लाभ–अमृत 9:10 से 12:24 तक, शुभ 2:02 से 3:39 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 6:54

मेष

परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी आ सकती है।

मिथुन

परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

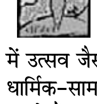

सिंह

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों, परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज रचनात्मक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

मकर

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नचे–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

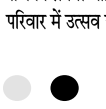

मीन

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृद्ध दंपति से हुई लूट वारदात

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह क्षेत्र की मैन्दवास थानान्तर्गत हमीरपुर गांव में बाडे में सो रही वृद्ध महिला के नाक से सोने की बाली तो पति के कानो से सोने की मुर्कियां तोड ले भागने की वारदात का एक सप्ताह बाद भी खुलासा नहीं होने से पीडित परिवारजन व ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। लूट की वारदात के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जल्द लुटेरों की गिरफ्तारी व वारदात का खुलासा कर सोने की बाली व मुर्कियां बरामद करने का आश्वासन दिया था।

मिली जानकारी में सामने आया कि हमीरपुर गांव निवासी सत्यनारायण गुर्जर व उसकी पत्नी बाडे मे सो रहे थे। मध्य रात्री बाद दो शातिर चोर पूर्व में रैंकी कर चारपाई पर सो रहे सत्यनारायण के दोनो कानों में पहनी सोने की मुर्कियां पर झपट्टा मार तोड लिया। मुर्किया तोडने पर चिल्लाने की आवाज सुन पास ही सो रही पत्नि को जाग हुई तो शातिर चोरों ने वृद्ध महिला की आंखों में टॉर्च की रोशनी डाल नाक में पहनी सोने की बाली तोडकर मौके से भाग छुटे। दोनो पति-पत्नि लूट का शिकार होने पर चिल्लाये तो दौडकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने चोरों का पीछा भी किया लेकिन वो भागने में सफल रहे। सूचना पर पहुंची मैन्दवास थाना पुलिस ने पिडित दम्पति से बयान दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की।

डेयरी व्यवसाय करने से होगा महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक विकास

एनजीओ एस.के.शिक्षण एवं सामाजिक विकास संस्थान भरतपुर द्वारा नाबार्ड की आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया।

भरतपुर (निस)। रूपवास पंचायत समिति के गॉव खान सूरजापुर में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तीय सहायोग से एनजीओ एस.के.शिक्षण एवं सामाजिक विकास संस्थान भरतपुर द्वारा नाबार्ड की आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया।

जिसके मुख्य अतिथि नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक राजेश कुमार मीना थे। सर्व प्रथम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक राजेश कुमार मीना ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सम्बोंधित करते हुए कहा कि जिले में डेयरी के विकास से ही महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक विकास सम्भव है। क्योकि गॉव में अधिकतर महिलाऐं पशुपालन का कार्य करती है इसलिए नाबार्ड द्वारा यह डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कराया जा रहा है।

जिससे सभी प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को डेयरी के बारे में अच्छी जानकारी मिले और डेयरी पर तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर डेयरी व्यवसाय में सफलता अर्जित कर अपनी आजीविका चलाने में मदद मिले। क्योकि ग्रामीण महिलाओं के लिए डेयरी व्यवसाय करना सरल और अच्छा रहता है। क्योंकि अधिकांश महिलाऐं पहले से ही गॉव में परम्परागत तरीके से पशुपालन का कार्य करती आ रही है। इसलिए आज जरूरत है नवीन तकनीकी अपनाकर अच्छा लाभ लेने की। क्योंकि प्रशिक्षण लेकर महिलाऐं नवीन तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर घर पर रह कर गाय भैंस पालकर दुग्ध उत्पादन से आय में वृद्धि करेंगी और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करेगी।

जिसमें बताया कि प्रतिदिन अलग-अलग विषय पर अलग अलग विषय विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिसमें पशुपालन विभाग के सीनियर व सेवानिवृत विषय विशेषज्ञ तथा महात्मा गॉन्धी वैटनरी कॉलेज तथा सफल डेयरी संचालकों व अनुभवी एक्सपर्टों द्वारा प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। जिससे स्वयं सहायता समूह की महिलाऐं इस 10 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण से डेयरी व्यवसाय में निपुण हो सकें।

सड़कों पर छाया अंधेरा

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर अंधेरा दूर करने के लिए एनएएचआई द्वारा यहां बिजली के पोल भी खडे कर दिए गए हैं। अधिकारियों द्वारा इन पोलो पर स्ट्रीट लाइट भी लगा दी गई हैं। लेकिन महिनों बीत जाने के बाद भी इनका कनेक्शन करना भूल गए। जिससे रात में सडक दुर्घटनाएं तो हो ही रही हैं साथ ही रात के अंधेरे में आपराधिक घटनाएं भी बढ रही है। शिकायत करने के बाद भी अंधेरी सडकों पर लाइट नहीं जलाई जा रही है।

अधिकारियों की लापरवाही के चलते रात में इन सडकों पर अंधेरा छाया रहता है। वाहन चालकों को सडक के गड्ढे व सडक पर बैठे जानवर नहीं दिखते हैं। इससे आए दिन वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। हालांकि सडक पर होने वाली दुर्घटनाओं का एक बडा कारण मवेशियों का सडक पर विश्राम करना है। अंधेरा होने के कारण वाहन चालक को रात में स्पष्ट सडक दिखाई नहीं देती है, जिससे लोग मवेशियों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। जिम्मेदारों द्वारा जनसुविधा के प्रति लापरवाही बरती जा रही है, जिसका खामियाजा जनता को दुर्घटना के रूप में भुगतना पड रहा है। रात आठ बजे के बाद अंधेरी सडकों से निकलने वाले नागरिकों को अनहोनी का डर बना रहता है।

सार-समाचार

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर (निस)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने दुकान में चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर विधि से संघर्षरत एक बाल अपचारी को निरूद्व किया है। 23 अप्रैल को गिरीश विहार कॉलोनी निवासी प्रमोद ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ उसकी चंदन गार्डन के पास स्थित दुकान से 5 हजार रूपये व अन्य सामान चोरी कर ले जाने का मामला थाना मथुरा गेट पर दर्ज कराया था। जिस पर एएसआई राकेशमान ने अनुसंधान कर इस मामले के आरोपी राहुल निवासी सोगरिया मोहल्ला को गिरफ्तार कर विधि से संघर्षरत एक बाल अपचारी को निरूद्व किया गया है।

कस्बा शहर के सभी हैण्डपंप खराब

गंगापुर सिटी। कस्बा शहर मे अधिकतर हैंडपंप खराब होने से खासकर बालाजी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड रहा है। गांव के बालाजी मंदिर के पास लगे सभी हैंडपंप खराब तो कही हत्थे ही गायब हैं। यहां कुंड बालाजी, दीवान वाले बालाजी सहित कल्जी मास्टर के आगे लगा हैंडपंप व छतरी वाले कुएं के पास लगा हैंडपंप खराब होने से पेयजल संकट बना हुआ है। गांव के मुनेश मीणा, राहुल मीणा,जोरमल मीणा व रसीद खान ने विभाग के अधिकारियों को पत्र भेजकर हैंडपंप ठीक करवाएं जाने की मांग की है।

झुलसने से सात बकरियों की मौत

निवाई, (निसं)। गांव ललवाडी की माताजी की ढ ाणी में शनिवार को अचानक आग लग गई। आग में झुलसने से सात बकरियों की मौत हो गई। माताजी की ढ ाणी निवासी कन्हैयालाल पुत्र प्रभुलाल रैगर के कच्चे मकान में शनिवार की दोपहर में करीब 2 बजे अचानक भयानक आग लग गई जिससे सात बकरियों की झुलसने से मौत हो गई। उक्त घटना को लेकर परिवार में कोहराम मच गया। इस दौरान ग्रामीणों ने मिटटी व पानी डालकर आग को बुझाया। घटना की सूचना पर सरपंच मास्टर देवालाल गुर्जर मौके पर पहुंचे और पशु चिकित्सक अविनाश जैन झिलाय व गिरदावर बुद्धिप्रकाश सैनी को सूचना दी। सूचना पर पटवारी व दतवास पुलिस के बीट प्रभारी सुखराम गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर अग्निशमन को बुलाकर ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया। सरपंच देवालाल गुर्जर ने बताया कि पीडित परिवार बहुत गरीब है। वह अपनी आजीविका बकरियों से चलाता था। उक्त घटना को लेकर ग्रामीण छोटूलाल वर्मा, राजेश, प्रभु रैगर, नेनुलाल व गोपीराम सहित कई ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों को सरकार से पीडित परिवार को आर्थिक सहायता दिलवाने की मांग की है।

नाटक पार्क का मंचन आज

टोंक, (निसं)। एक्स्ट्रा एन ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में कम्युनिटी थिएटर टोंक द्वारा लेखक, अभिनेता मानव कौल द्वारा रचित नाटक पार्क का मंचन रविवार शाम 6.45 पर एक्सपेरिमेंटल स्टूडियो, देव नगर, बैरवा धर्मशाला के पीछे किया जाएगा। जिसका निर्देशन शहर के युवा रंगकर्मी, संगीतकार चितरंजन नामा ने किया हैं। विगत 7 वर्षो से लगातार शहर में रंगमंच की नींव को आगे बढ ाते हुए कम्युनिटी थिएटर समूह ने अपनी नई जगह एक्सपेरिमेंटल स्टूडियो को तैयार कर एक नया रूप दिया है। सकारात्मक ऊर्जा और रचनात्मकता से सराबोर जगह पर यह समूह अब नाट्य प्रक्रियाओं को समाहित कर अब नाट्य प्रस्तुतियों का आयोजन करेगा। कम्युनिटी थिएटर टोंक ने टोंक का नाम रंगमंच के क्षेत्र में इतिहास के पन्नों में दर्ज किया है जहां फरवरी 2024 में थिएटर ग्रुप का नाटक द डैथ ऑफ गैलीलियो का मंचन एशिया के सबसे बडे नाट्य समारोह भारत रंग महोत्सव में मंचित हुआ।

अधिक शराब पीने से युवक की मौत

किशनगढ बास, (निसं)। बस स्टैंड परिसर में अधिक शराब के सेवन से 28 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर भारी भीड का जमावडा लग गया। लोगों की सूचना पर किशनगढ बास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हेड कांस्टेबल हंसराज ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इसके बाद मृतक के शव को किशनगढ बास सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के भाई शहरुन पुत्र मुबीन ने पुलिस को जानकारी दी कि उसका भाई 28 वर्षीय मुस्ताक पुत्र मुबीन मेव किशनगढ बास के गांव मोठूका का निवासी था। जो कि किशनगढ बास में कचरा बीनने का काम करता था। पुलिस ने मृतक मुस्ताक मेव के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

न्यायिक अधिकारी लगाने की मांग

पावटा,(निसं)। अभिभाषक संघ पावटा जिला कोटपूतली बहरोड प्रतिनिधि मंडल ने न्यायाधिपति अनूप कुमार दंड इंस्पेक्टिंग जज जयपुर जिला राजस्थान उच्च न्यायालय व रजिस्टार जनरल राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ व जिला जज एवं सेशन न्यायाधीश जयपुर से मिलकर पावटा स्थित एमजेएम कोर्ट में नियमित न्यायिक अधिकारी लगाने व न्यायालय भवन के निर्माण स्वीकृति जारी करने को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौपते हुए प्रतिनिधि मंडल ने अवगत करवाया कि नियमित न्यायिक अधिकारी के नहीं होने पर पावटा व कोटपूतली के चक्कर लगाने से आमजन व अधिवक्ताओं को होने वाली परेशानियों व समस्याओं के बारे में बताया। इस पर अधिकारी गण द्वारा शीघ्र उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। उक्त प्रतिनिधि मंडल में अभिभाषक संघ पावटा अध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सुरेश धानका, पुस्तकालय अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव शामिल रहे।

पिकअप व बाइक की टक्कर से पत्नी घायल, पति की मौत

- घटना का पता चलने पर आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए जाम लगा दिया
- घायल रूप सिंह ने मौके पर ही दम तोड दिया

गंगापुर सिटी। जयपुर रोड पर एक पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पति की मौत हो गई, वहीं पत्नी घायल हो गई। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। सूचना पर बामनवास पुलिस उपाधीक्षक संतराम मीना मौके पर पहुंचे और जाम खुलवाया। मृतक के शव और घायल को बामनवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से घायल को जयपुर रेफर कर? दिया गया। हादसा गंगापुर सिटी जयपुर मेगा हाईवे पर डाबर और खेडली गांव के बीच नगर खेडा के पास शु?ऋवार रात करीब साढे 8 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार तलवाडा उप तहसील के मच्छीपुरा गांव निवासी रूपसिंह गुर्जर (5०) पुत्र वंशी गुर्जर शाम करीब 7:00० बजे बाइक से अपनी पत्नी के साथ ससुराल नागडहेडा जाने के लिए निकला था। रात करीब 8:30० बजे गंगापुर जयपुर मेगा हाईवे पर पिपलाई से आगे खेडली और डाबर के बीच नागडहेडा के समीप रूप सिंह की बाइक को सामने से पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों पति-पत्नी उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

कुछ ही देर में रूप सिंह ने मौके पर ही दम तोड दिया। घटना का पता चलने पर आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर बामनवास से पुलिस उपाधीक्षक संतराम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की। इसके बाद ग्रामीण जाम हटाने के लिए राजी हुए। पुलिस मृतक के शव और घायल को बामनवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई। जहां मृतक के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया जबकि घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जयपुर में कर दिया। शनिवार को पुलिस ने मृतक का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

जमीन पर किया कब्जा हटाया

भरतपुर। कृषि महाविद्यालय भुसावर के सैंधली कृषि फार्म पर ग्रामीणों द्वारा किये गये अतिक्रमण जेसीबी मषीन द्वारा हटा दिये गये।

महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि राजस्थान सरकार ने भुसावर के गांव सैंधली की सिवायचक जमीन से 16.23 हेक्टर जमीन कृषि महाविद्यालय भुसावर को आवंटित की थी, महाविद्यालय द्वारा जमीन पर कब्जा प्रक्रिया के दौरान पता चला कि आवंटित जमीन पर ग्रामीणों ने कच्चे मकान व झोंपडी बनाकर कब्जा कर रखा है। इन अतिक्रमणों हटाने के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत ग्रामीणों को लिखित नोटिस दिये गये तथा ग्रामीणों की समझाइष की गयी। समझाइष के बाद ग्रामीणों ने अपने कच्चे मकानों से सामान हटा लिया। इसके बाद 26 अप्रेल 2024 शुक्रवार को ग्रामीणों की उपस्थिति में उनकी सहमति से अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया गया। इस अवसर पर डॉ. राहुल कुमार, डॉ. विनोद भटेश्वर, डॉ. प्रवीण कुमार हटवाल, अतुल शर्मा, रेखा मीना सहित गांव सैंधली व नगला बन्ध के ग्रामीण उपस्थित थे।

समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने डीएम को भेजा सुझाव पत्र

भरतपुर (निस)। समृद्व भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने भरतपुर शहर की सब्जी हाट बाजार का बुनियादी विकास तथा ग्राहक व विक्रेताओं को आधुनिक सुविधा वास्ते जिला कलक्टर डॉ अमित यादव को पाचं सूत्रीय सुझाव पत्र भेजा है और साथ ही शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओं अभियान की सराहना करते हुए डीएम को साधुवाद बोला। साथ ही सब्जी विकेताओं को स्थाई सब्जी हाट बाजार निर्माण, मरम्मत एवं जीर्णोद्वार तथा बुनियादी विकास कराने का आग्रह किया।

निदेशक सीताराम गुप्ता ने सुझाव पत्र में लिखा है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत कन्नी गूजर चौराहा से राजा मान सिंह सर्किल तक अतिक्रमण हटाए गए, जब हम लुपिन फाउण्डेशन में थे, तब कन्नी गूजर से राजा मान सिंह सर्किल तक सब्जी मार्केट टीन सेड निर्माण कराया गया। जहां प्रथम तो इस सब्जी मार्केट में सब्जी व फल विक्रेताओं को दुकानों का आवंटन होना चाहिए तथा सब्जी-फल के अलावा अन्य दुकान इस मार्केट में नही होनी चाहिए। उन्होने सुझाव दिया कि अब यह सब्जी मार्केट वृहद रूप ले चुका है और भारी सख्यां में ढकेलों से लोग अपने परिवार का लालन-पालन और जीवन-यापन करते है। अतः सडक के दूसरी ओर भी इसी प्रकार का सब्जी मार्केट का निर्माण होना चाहिए,जिससे सबको रोजगार मिले तथा यातायात भी सुगतता से चले। दूसरी ओर की भूमि सरकारी है। उन्होने अनाह गेट दरवाजा के बाहर स्थित सब्जी बाजार का विकास कराने का सुझाव देते हुए लिखा है कि नगर निगम के द्वारा अनाह गेट पर सब्जी मार्केट का निर्माण कराया गया। जहां रात्रि में अन्धेरा व दिन में आवारा जानवरों का बसेरा रहता है और मार्केट के अन्दर व उसके चारों ओर गन्दगी फैली हुई है। वर्तमान में ये मार्केट बहुत ही भद्दा लगता है। नगर निगम एवं प्रशासन को अनाह गेट सब्जी मार्केट को सवांरने की आवश्यकता है। जिससे इस सब्जी मार्केट का उपयोग हो सके। उन्होने जामा मस्जिद की सब्जी मण्डी की हालत पर चिन्ता प्रकट करते हुए सुझाव दिया कि जामा मस्जिद सब्जी मण्डी की हालत दयनीय है, यहां विक्रेता जमीन पर दुकान लगा कर सब्जी बेचते है। जो मानव स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नही है।

सब्जी मण्डी ये हो सुविधाए

भरतपुर शहर सहित जिले के प्रमुख कस्वा की सब्जी मण्डी एवं खुदरा बाजार में ग्राहक व विक्रेताओं को आधुनिक सुविधाए उपलब्ध होना अति-आवश्यक है। जहां सुलभ शौचालय, रोशनी, पेयजल व्यवस्था, सब्जी बाजार में दिन में वाहनो के प्रवेश पर रोक, कचरा पात्र, पोलीथिन उपयोग पर पाबन्दी आदि होना चाहिए।

आईटीबीपी जवान का दिल का दौरा पड़ने से निधन

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कुहाडा कल्याणपुरा निवासी आईटीबीपी जवान मनोहर लाल गुर्जर का विगत 25 अप्रैल को ड्युटी पर दिल का दौरा पडने से निधन हो गया। जिसका शनिवार को राजकीय सम्मान से अन्तिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम कुहाडा कल्याणपुरा निवासी मनोहर लाल गुर्जर (37) भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस की 14 वीं बटालियन में कानि. जीडी के पद पर उत्तराखण्ड के पिथोरागढ में तैनात था। विगत 25 अप्रैल को परिजनों को बटालियन के उच्चाधिकारियों से सूचना प्राप्त हुई कि मनोहर का दिल का दौरा पडऩे से निधन हो गया है। जिसका गांव में पता चलते ही शोक की लहर दौड गई। शनिवार को मनोहर का शव आईटीबीपी के अधिकारी सडक़ मार्ग द्वारा ग्राम कल्याणपुरा कुहाडा लेकर पहुँचे। जहाँ राजकीय सम्मान से दिवंगत जवान का अन्तिम संस्कार किया गया। आईटीबीपी जवानों की टुकडी द्वारा मृतक मनोहर लाल को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मनोहर लाल के परिवार में पिता छोटू लाल, माता सजना देवी, पत्नी सुमन देवी, पुत्र कृष्ण व आशीष एवं दो पुत्रियां निशु व मोना समेत भाई रोहिताश है। उनके एक भाई रामशरण का पूर्व में ही सडक दुर्घटना में निधन हो गया था। मृतक जवान 20 दिन पूर्व ही 15 दिन की छुट्टी काटकर ड्युटी पर वापस लौटा था। अन्तिम संस्कार में पहुंचे विधायक हंसराज पटेल ने दिवंगत जवान को अपनी श्रद्धांजलि देते हुये परिजनों को ढांढ स बंधाया।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आज

अलवर, (निसं)। दक्ष प्रजापति यूनियन ट्रस्ट की ओर से रविवार को ग्राम चिडवाई श्री सांवरिया विद्यालय में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर प्रजापति ने बताया कि जिला महासचिव स्वर्गीय सतीश कुमार प्रजापति की याद में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर प्रातः 9 से दोपहर 3 तक आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज बंधुओं से आग्रह करता हूं कि इस पुण्य कार्य में भाग अवश्य लें और किसी का जीवन बचाने में सहयोग करें। इस मौके पर हमारी संस्था के मुख्य ट्रस्टी राजकुमार प्रजापति सहित पूरे जिले की टीम मौजूद रहेगी।

रूद्रांश खण्डेलवाल का अभिनन्दन किया जावेगा

भरतपुर (निस)। खण्डेवाल वैश्य समाज जिला भरतपुर-डीग की ओर से 28 अप्रेल रविवार को सांय 4.30 बजे खण्डेलवाल भवन खिरनीघाट, भरतपुर पर रूद्ंराश खण्डेलवाल इन्टरनेशनल चैम्पियनशिप शूटिंग में विश्व स्तर पर प्रथम वरीयता प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनन्दन किया जावेगा। पूर्व जिला अध्यक्ष नेमचन्द खण्डेलवाल एवं शहर अध्यक्ष रमेश चन्द गुप्ता रारह वाले ने बताया कि समारोह में जिला कार्यकारिणी के अलावा शहर कार्यकारिणी महिला मण्डल कार्यकारिणी एवं युवा मण्डल की कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे।

ऑपरेशन मेरी सहेली के तहत कोटा मंडल में 28 हजार 808 महिला यात्रियों को मिली सहायता

गंगापुर सिटी महिला रेल यात्रियों का मेरी सहेली ऑपरेशन की जानकारी लेती पुलिस।

गंगापुर सिटी। पश्चिम मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष में एक लाख से अधिक महिला यात्रियों की ऑपरेशन मेरी सहेली के तहत मदद की। इसमें कोटा रेल मंडल ने 5 हजार 716 यात्री ट्रेनों में 28 हजार 808 महिला यात्रियों की सहायता की गई।

कोटा मंडल में मेरी सहेली अभियान के तहत महिला यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष जोर है। ऑपरेशन मेरी सहेली अभियान के तहत महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के लिए अहम भूमिका निभा रही है। महिला यात्रियों से काफी प्रोत्साहन के साथ सराहना भी मिली है। भारतीय रेलवे में महिला सुरक्षा के लिये ऑपरेशन मेरी सहेली पहल के तहत शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करना है। ऑपरेशन के तहत जो महिला यात्री अकेले सफर करती है, उन यात्रियों का विशेष ध्यान मेरी सहेली रख रही है। अकेली यात्रा करने वाली महिला यात्री सुकून के साथ अब ट्रेन से सफर कर रही है।

कैसे काम करती ऑपरेशन मेरी सहेली

प्लेटफार्म पर ट्रेन के रुकते ही हर कोच में टीम की एक-एक महिला जवान अंदर जाकर महिला यात्री से मेरी सहेली की पूरी जानकारी देकर एक फॉर्म में उनका मोबाइल नंबर, नाम और अंतिम स्टेशन के बारे में पूछती है। ट्रेन में भी मेरी सहेली की टीम महिलाओं से लगातार संपर्क में रहती है। योजना के तहत ट्रेन से सफर तय करने वाली महिला यात्रियों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करना है। महिलाओं की सुरक्षा और समस्याओं से निपटने के लिए मेरी सहेली निगरानी रखती है। मेरी सहेली की टीम को इसकी शिकायत मिलते ही टीम के सदस्य रिस्पॉन्स देती है और समस्या को दूर किया जाता है। आरपीएफ महिला विंग की मेरी सहेली टीम बेहतर तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभा रही है।

महिला आरपीएफ कर्मियों की टीम महिला यात्रियों पर फोकस करती है और उन्हें यात्रा के दौरान किस तरह सुरक्षित रहना है, इसकी पूरी जानकारी दे रही है। 139 और 182 आपातकालीन नंबर भी ऐसी महिला यात्रियों के साथ साझा किया जाता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि मेरी सहेली अभियान के तहत इस वर्ष एक लाख से अधिक महिलाओं की सहायता की गई है। जो गत वर्ष दोगुने से भी अधिक है। महिला की सहायता के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान का उद्देश्य ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा व सहायता के उद्देश्य ट्रेनों में महिला की सुरक्षा व सहायता करना है।

महाविद्यालय संस्थापक को दी श्रद्धांजलि

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, श्रीमाधोपुर के संस्थापक स्वर्गीय चौधरी प्रताप सिंह खर्रा को महाविद्यालय प्रांगण में शनिवार को उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यालय सचिव राकेश शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के संस्थापक शिक्षाविद स्वर्गीय चौधरी प्रताप सिंह खर्रा सेवानिवृत कृषि अधिकारी की 17वीं पुण्यतिथि पर निदेशक मोहर सिंह खर्रा, सचिव गीता खर्रा, प्राचार्य डॉ वी.के. सैनी, उप प्राचार्य विजेंद्र कुमार, विज्ञान संकाय प्रभारी विरेंद्र यादव, वाणिज्य संकाय प्रभारी मांगीलाल कुमावत, कला संकाय प्रभारी सुशीला देवी, कार्यालय प्रभारी कैलाश कुमार सिंह, एनसीसी सीटीओ सुरेश कुमार सामोता द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। एनसीसी सीटीओ सुरेश कुमार सामोता के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स द्वारा भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा सभी छात्र छात्राओं ने पुष्प अर्पित किए। मांगीलाल कुमावत के नेतृत्व में एनएसएस सव्यंसेवकों द्वारा भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही उनके पुत्र रणवीर सिंह खर्रा, मोहर सिंह खर्रा, उषा खर्रा, गीता खर्रा व पौत्र-पोत्रियों व परिवार के सदस्यों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। निदेशक मोहर सिंह खर्रा ने बताया कि पिताजी ने वर्ष 2003 में महाविद्यालय की स्थापना की थी जिसका मुख्य उद्देश्य श्रीमाधोपुर व आसपास के गांवों के लोगों को उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाना था।

अतिराम सागर से गन्दा पानी की निकासी का शुभारम्भ आज

हलैना (निस)। जिला परिषद भरतपुर के सीईओ वीरेन्द्र सिंह एवं एक्सईएन हरी शर्मा आदि अधिकारियों ने गत दिन कस्वा हलैना के अतिराम सागर की हालत देख सागर में भरे गन्दा पानी निकासी तथा जीर्णोद्वार का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए,जिनकी पालना करते हुए ग्राम पंचायत ने शुक्रवार को गन्दा पानी निकासी को पम्प लगाया और सागर के गन्दा पानी को हलैना कैनाल में डाला जाने का निर्णय लेकर पम्प की ट्रायल ली और शनिवार से सागर का नियमित पानी निकासी शुरू की जाऐगी। जिसकी सफलता को हलैना के सरपचं दीपेश कुमार जाटव,जेटीओ बृजेश कुमार,ग्राम विकास अधिकारी श्यामलाल,सरपचं प्रतिनिधी मोहनसिंह डीलर आदि ने सागर एवं पम्प व्यवस्था का निरीक्षण किया। सागर से पानी निकासी व्यवस्था को लेकर कस्वा के लोगों ने खुशी प्रकट की। सरपंच दीपेश कुमार जाटव ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आदेशानुसार 8 अप्रेल को जिला परिषद के सीईओं वीरेन्द्र सिंह,एक्सईएन हरी शर्मा,वैर के विकास अधिकारी गिर्राजप्रसाद बुनकर,एईएन गोविन्द गर्ग आदि ने कस्वा के अतिराम सागर का निरीक्षण किया,जिन्होने सागर से गन्दा पानी निकासी,सागर के जीर्णोद्वार का प्रस्ताव,सागर में गन्दा पानी पर रोकथाम आदि के निर्देश दिए,जिनकी पालना करते हुए 26 अप्रेल को सागर से गन्दा पानी निकासी को पम्प लगाया गया,जिससे सागर का गन्दा पानी हलैना कैनाल में डाला जाऐगा। पानी निकासी व्यवस्था को 26 अप्रेल को पम्प की ट्रायल ली,जो सफल रही। अब सागर से 27 अप्रेल से नियमित पानी निकासी की जाऐगी। उसके बाद सागर का जीर्णाद्वार कराया जाऐगा।

सागर में गन्दा पानी व कचरा डाला तो अब नही खैर

ग्राम विकास अधिकारी श्यामलाल जाटव ने बताया कि अतिराम सागर का साल 1702 में भरतपुर रिसायत के संस्थापक महाराजा सूरजमल के चचेरे भाई ठाकुर अतिराम सिंह ने निर्माण कराया था,देश की आजादी से साल 1995 तक सागर को बाणगंगा नदी में पानी की आवक होने पर भरा जाता था। 1996 से आज तक बाणगंगा नदी में पानी की आवक नही होने से सागर पानी से नही भरा गया। उसके बाद से केवल बरसात का पानी सागर में एकत्रित हो जाता। साथ ही कस्वा के कुछ लोगों के घर व शौचालय का पानी सागर में डाला जाने लगा। उन्होने बताया कि 27 अप्रेल से सागर से गन्दा पानी निकासी शुरू हो रही है और गन्दा पानी व कचरा डालने वालों लोगों की सूची तैयार की जा रही है,उन्हे नोटिस जारी होने और अब सागर में गन्दा पानी व कचरा डाला गया तो उसकी खैर नही।

बालोतरा में एस.पी. कार्यालय के सामने जमा हुए रविन्द्र सिंह भाटी के समर्थक

बाड़मेर में लोकसभा चुनाव के बाद बवाल, पुलिस आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान की सबसे हॉट सीट बाडमेर जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में वोटिंग के दौरान बायतु इलाके में हुई मारपीट की घटना तूल पकड़ गई है। चुनाव संपन्न होने के बाद यह मामला और उलझता जा रहा है। इस मामले को लेकर आज निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी हजारों समर्थकों के साथ बालोतरा पहुंचे।

उन्होंने वहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना दे दिया। भाटी के साथ आई कार्यकर्ताओं की फौज को देखकर पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और वहां भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। बाद में निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी और पुलिस के बीच सहमति बनी।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मतदान के दौरान बाडमेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में बायतु विधानसभा क्षेत्र में विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि रविन्द्र सिंह भाटी के कुछ समर्थक वहां से निकलते समय अकदडा गांव में एक बूथ पर गए थे। वहां उनका कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस पर वहां कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने भाटी के समर्थकों से मारपीट कर दी। उनकी गाड़ियां तोड़ दी। उसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने वहां मामला शांत करवाया।

निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी ने हजारों समर्थकों के साथ बालोतरा में धरना प्रदर्शन किया।

रविन्द्र भाटी ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप:- पुलिस इस मामले में 13 लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। इनमें भाटी समर्थक घायल कार्यकर्ता भी थे। बाद में भाटी ने थाने पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। भाटी ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने के गंभीर आरोप लगाए। उनका आरोप था कि पुलिस ने उनके घायल कार्यकर्ताओं को मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं होने दी। वेवजह थाने में रखा, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। भाटी ने कहा जो लोग वोट देने घर आ रहे थे उनके साथ मारपीट भी हुई और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया।

जोधपुर से भी पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया:- उसके बाद शनिवार को सुबह भाटी ने बालोतरा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दे डाली फिर वे दोपहर करीब 12 हजारों कार्यकर्ताओं के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस पहुंचे। वहां उन्होंने एसपी कार्यालय का घेराव कर दिया। हालात देखकर वहां अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया। जोधपुर से भी पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया। भाटी की फिलहाल एसपी कुंदन कुंवरिया से वार्ता चल रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनके मांगों को नहीं माना गया तो वे जोधपुर में आईजी ऑफिस का घेराव करेंगे।

4 दिन में कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ। चुनावों के दौरान पकड़ी गई गाड़ियां पुलिस ने तुरंत छोड़ी। भाटी के समर्थकों के साथ मारपीट करने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस द्वारा पकड़े गये समर्थकों को पुलिस ने रिलीज किया, पुलिस अधीक्षक के साथ वार्ता और आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

कार पेड़ से टकराई, तीन की मौत, दो गंभीर घायल

कलिंजरा-बागीदौरा मार्ग पर अनियंत्रित कार पेड़ों से टकराकर कार क्षतिग्रस्त हो गई।

बांसवाड़ा, (निसं)। कलिंजरा-बागीदौरा मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिससे तीन युवाओं की मौत हो गयी वहीं दो युवक गंभीर रुप से घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात बजाज फाइनेंस कंपनी के कार्मिक कलिंजरा-बागीदौरा मार्ग से कार में सवार होकर आ रहे थे कि कार अनियंत्रित होकर पेडों से जा टकराई जिससे तीन युवाओं की दर्दनाक मौत हो गयी वहीं दो अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। जिनका जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कर उदयपुर के लिये रेफर किया गया। इस हादसे में बांसवाडा शहर निवासी कुलदीप कंसारा, जिले के टांडी महुडी निवासी अजय मईडा एवं अब्दुल्ला पीर निवासी शेयांग युसुफ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं कार में ही सवार मोईन निजामुद्दीन व आयुष पांडे रतलाम के गंभीर रुप से घायल होने पर जिला मुख्यालय पर प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया।

60 घंटे बाद भी शव लेने नहीं पहुंचे माता-पिता

- **दोनों में चल रही है लड़ाई, तबीयत खराब होने से हुई थी मासूम की मौत**

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के डोजा गांव में 4 साल के एक बच्चे की बीमारी से मौत हो गई। बच्चे की मौत के 60 घंटे से ज्यादा का समय हो चुका है। शव डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में पड़ा है, लेकिन माता और पिता में अनबन के चलते दोनों ही शव लेने को तैयार नहीं हैं। पुलिस दोनों ही पक्ष से समझाइश के प्रयास कर रही है।

वरदा थानाधिकारी ने बताया कि डोजा गांव में बच्चे की मौत की घटना हुई। मसानिया भागेला फला निवासी कांतिलाल डोडियार मीणा का 4 साल का बेटा मौलिक डोडियार अपने मामा जुमकलाल के घर रहता था। साल भर पहले माता-पिता में अनबन के बाद से मौलिक अपनी मां के साथ ही अपने मामा के घर था। 25 अप्रेल की रात के समय 4 साल के मौलिक की तबीयत खराब हो गई। इस पर उसे अस्पताल लेकर गए। जहां से तबीयत ज्यादा खराब होने पर डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए।

डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर आंतरी चौकी से हेड कांस्टेबल संतोष कुमार मौके पर पहुंचे। शव को मॉर्चुरी में रखवाया। शव 60 घंटे से मोर्चरी में रखा है, लेकिन माता और पिता ने अनबन के चलते दोनों ही पक्ष बेटे का शव लेने तक नहीं आए। वहीं बेटे की मौत के बाद मां और पीहर पक्ष के लोग वोट डालने भी गए थे। शनिवार शाम तक पुलिस की समझाइश के बाद परिजन नहीं माने और शव लेने के लिए माता और पिता में से कोई नहीं आया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

मारपीट कर युवक की हत्या

उदयपुर, (निसं)। मौसी के घर मेहमान आए भतीजे की बदमाशों ने मारपीट कर हत्या कर लाश को नाले में फैंक दी। डूंगरपुर जिले के अगडिया फला बलवाड़ा निवासी लोकेश (22) पुत्र भुरालाल गरासिया की अज्ञात हमलावरों ने मारपीट कर हत्या कर दी तथा लाश को नाले में फैंक दिया। 24अप्रेल को लोकेश उदयपुर जिले के पाटिया गांव निवासी अपनी मौसी के यहां पर आया था। 25 अप्रेल को रात में परिवारजनों के साथ खाना खाया एवं 26 अप्रेल सवेरे उसका शव गमेतीफला खेडा घाटी नाले में पड़ा मिला। जिसके सिर पर चोट के निशान पाए गए है। सूचना पर पाटिया थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह राव ने मौके पर पहुंच मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया। जिसका 27 अप्रेल को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। इस मामले में मृतक के भाई भुराराम ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लोकेश की हत्या कर लाश को नाले में फैकने का प्रकरण दर्ज करवाया है।

भागकर की शादी, फिर प्रेमी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

- **पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया**

हनुमानगढ़, (निसं)। परिजनों की मर्जी के खिलाफ विवाह करने वाले प्रेमी युगल के अपहरण व मारपीट मामले में नया मोड़ आ गया है। युवती ने कथित प्रेमी के खिलाफ महिला थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। वहीं इससे पहले प्रेमी युवक के पर्चा बयान पर टाउन पुलिस ने बुधवार रात युवती के परिजनों पर एससीएसटी एक्ट, अपहरण, छीनाझपटी, मारपीट आदि धाराओं में मामला दर्ज किया था।

इस मामले में टाउन पुलिस ने शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। जांच अधिकारी एससीएसटी सैल सीओ रणवीर साईं ने बताया कि इमीलाल नायक ने पर्चा बयान से मामला दर्ज कराया था कि उसे व उसकी पत्नी को मंगलाराम वगैरह कोलायत से अपहरण कर लाए तथा अपनी ढाणी के पास ले जाकर मारपीट की। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है तथा आरोपी मंगलाराम भाट निवासी वार्ड आठ, 26 एसएसडब्लूयू फतेहगढ़ हाल जोड़कियां तथा कृष्ण भाट निवासी सालीवाला को गिरफ्तार किया गया है।

दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कृष्ण भाट को जेल भिजवा दिया तथा मंगलाराम का पीसी रिमांड मंजूर करवाया गया। वहीं युवती ने महिला थाने में मामला दर्ज कराया कि संदीप उर्फ इमीलाल निवासी जोड़कियां, पुष्पा पत्नी ओमप्रकाश व ओमप्रकाश निवासी रोड़ांवाली उसे नशीली वस्तु खिलाकर ले गए। संदीप ने उससे दुष्कर्म किया। सीओ साईं ने बताया कि दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाने वाली पीड़िता के बयान करवा दिए गए हैं। दोनों प्रकरणों की जांच एससीएसटी सैल सीओ रणवीर साईं कर रहे हैं।

एसीबी के तहसील कार्यालय पर छापे की कार्रवाई

जिला कलेक्टर एवं हल्का पटवारी पर पीसी एक्ट में मुकदमा दर्ज

- **भूमि परिवर्तन के लिए 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप**

दूदू, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के निर्देशन पर जिला कलेक्टर एवं हल्का पटवारी द्वारा भूमि परिवर्तन के लिए मांगी गई 25 लाख रुपए की रिश्वत के प्रकरण में पीसी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर दूदू डाक बंगला जो वर्तमान में जिला कलेक्टर आवास है में देर रात को तहसील कार्यालय पर छापे की कार्रवाई की गई।

ब्यूरो के उपमहानिरीक्षक डॉ रवि के निर्देशन अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह की टीम ने पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। बताया कि परिवादी द्वारा दर्ज शिकायत में आरोप लगाया था कि फर्म के नाम से अजमेर रोड पर 204 बीघा जमीन में से कुछ खसरे तालाब पाल क्षेत्र में होने के कारण परिवर्तन करने की बात को लेकर शिकायत जिला कलेक्टर के यहां की गई थी। जिसके बदले में जिला कलेक्टर हनुमानमल ढाका एवं हल्का पटवारी हंसराज चौधरी द्वारा 25 लाख रुपए की मांग रखी गई। इसके बाद भी परेशान किया गया। परिवादी द्वारा 21 लाख में सौदा तय कर लिया लेकिन परिवादी ने दोबारा सोच कर यह राशि अधिक बताकर 15 लाख में फाइनल कर लिया।

इसके बाद मोबाइल से रिकॉर्डिंग के बाद डाक बंगला दूदू जो वर्तमान में कलेक्टर आवास है पर पर सात लाख पचास हजार रूपए मंगवाए गए ब्यूरो द्वारा प्रारंभिक जांच में जिला कलेक्टर हनुमानमल ढाका एवं पटवारी हंसराज चौधरी द्वारा रिश्वत की मांग करने का सत्यापन कर दोनों के विरुद्ध पीसी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। न्यायालय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर से सर्च वारंट प्राप्त कर जिला कलेक्टर आवास, तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी की जाकर रिकॉर्ड खंगाला गया। शनिवार की सुबह जिला कलेक्टर आवास सूना नजर आया।

विधायक ने बीएसएफ के जवान और बीएलओ को धमकाया

शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ का वीडियो वायरल होने से चला घटना का पता

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ का एक वीडियो आज सामने आया है। इस वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

दरअसल शुक्रवार को लोकसभा के चुनाव को लेकर मतदान हो रहा था। इस बीच नाथडाऊ में एक सरकारी विद्यालय पर चल रहे मतदान प्रक्रिया के समय शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ वहां पहुंचे तो लोगों ने उन्हें फर्जी मतदान होने एवं महिलाओं से आधार कार्ड बदलने की बात को लेकर शिकायतें की । इस पर विधायक बाबूसिंह गुस्से से भर उठे। चुनावी बूथ पर ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के जवान को धमकाने के साथ बूथ के अंदर बैठे बीएलओ को धमकाया। जिसका वीडियो आज वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के साथ ग्रामीण पुलिस हरकत में आई और विधायक बाबूसिंह राठौड़ के खिलाफ इस्तगासा सीआरपीसी में 189 में दर्ज किया है। जिसकी जांच की जाएगी।

वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि विधायक राठौड़ बूथ स्थल के बाहर बीएसएफ के एक जवान को बंदूक दिखाने की बात को लेकर धमका रहे है साथ ही वे बूथ के अंदर एक बीएलओ को भी धमकाते नजर आ रहे है। घटनाक्रम का वीडियो आज वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और इस्तगासा सीआरपीसी की धारा 189 में दर्ज किया गया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्रसिंह यादव ने बताया कि मुकदमा नहीं हुआ है, 189 में इस्तगासा दर्ज हुआ है। जिसको जांच में रखा गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें वीडियो में यह पता लगा कि राठौड़ ने बीएसएफ जवान का बंदूक नहीं दिखाने के लिए धमकाया है साथ ही बूथ के अंदर बीएलओ से भी उनकी गर्म बहस हुई थी। बाद में लोगों ने बहसबाजी के बीच में राठौड़ को बाहर लेकर गए। वहीं राठौड़ का इसमे कहना था कि बीएसएफ का जवान शराब पीए हुए था। हालांकि बाद में उसे ड्यूटी से हटा दिया गया था।

उदयपुर में हुआ 66.66 प्रतिशत मतदान, पिछले चुनाव से 3.4 प्रतिशत कम रहा

कांग्रेस-भाजपा में सीधा मुकाबला, हार-जीत का अंतर हो सकता है कम

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर लोकसभा सीट के दूसरे चरण में हुए मतदान में 66.66 प्रतिशत मतदान हुआ जोकि पिछले चुनाव से 3.4 प्रतिशत कम है। मतदान के इन आंकड़ों ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। पिछले चुनाव में 69.99 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। नया राजनीतिक दल भारतीय आदिवासी पार्टी इस सीट पर कोई खास जोड़-तोड़ नहीं कर पाया क्योंकि कांग्रेस और बाप के बीच हुए समझौते के तहत यहां कांग्रेस को समर्थन करना है।

उदयपुर लोकसभा सीट के दूसरे चरण में हुए मतदान को लेकर नेताओं, कार्यकर्ताओं से लेकर जनता में उत्साह और जोश था लेकिन शनिवार को मतदान के अधिकृत आंकड़े सामने आए तो कम वोटिंग ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी। सबसे अधिक मतदान झाडोल विधानसभा क्षेत्र में 75.05 जबकि सबसे कम आसपुर विधानसभा क्षेत्र में 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ। असल में तीनों दलों की सक्रियता और जिला प्रशासन के जागरूकता अभियान से यह समझ आ रहा था कि मतदान प्रतिशत तो बढ़ेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नेता और आमजन मतदान प्रतिशत कम होने के सब अपने अपने मायने निकाल रहे हैं। परिणाम चार जून को आने के बाद तस्वीर साफ हो जाएगी कि सांसद किस पार्टी का बनेगा।अधिकृत प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गोगुन्दा में 63.35, झाडोल में 75.05, खेरवाडा 63.68, उदयपुर ग्रामीण 69.53, उदयपुर शहर 65.17, सलूम्बर 62.88, धरियावाद 69.35, आसपुर 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ ।

पिछले दो चुनावों पर नजर डाले तो यहां वोटिंग कम-ज्यादा रही लेकिन चुनाव भाजपा जीती। 2014 में 65 प्रतिशत वोट पड़े तब भाजपा यहां से करीब 2.36 लाख से जीती थी। वहीं 2019 में 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई तब भी भाजपा जीती। भाजपा के अर्जुनलाल मीणा 4.37 लाख वोट से जीतकर दूसरी बार संसद पहुंचे थे। वहीं 2009 के चुनाव में मतदान बहुत कम हुआ था। यहां पर कांग्रेस के रघुवीर सिंह मीणा ने भाजपा के महावीर भगोरा को 1.64 लाख वोट से हराया था।

इस बार वोटिंग 66.66 प्रतिशत रहा जो कि पिछले आंकड़े से भी कम है। वोटिंग कम होने को लेकर दोनों दलों के प्रत्याशी और कार्यकर्ता अलग-अलग कारण मानते है। झाड़ोल में ज्यादा वोटिंग से कांग्रेसी यह कयास लगा रहे हैं कि कांग्रेस उम्मीदवार ताराचंद मीणा ने कलेक्टर रहते मिशन कोटड़ा अभियान चलाया था, उसका फायदा होगा जबकि भाजपा का मानना है कि वहां की जनता ने ज्यादा वोटिंग कर जवाब दिया है।

चुनाव बूथ से 200 मीटर दूर भाजपा के पोलिंग एजेंटों की कुर्सियां जहां दुपहरी में भी भरी होने के साथ भीड़भाड़ दिखाई दी। वहीं कांग्रेस एजेंटों वाली कुर्सियों में सन्नाटा दिखाई दिया। कुछ बूथ तो ऐसे थे वहां एक या दो जने बूथ संभाल रहे थे और बूथ खाली होने से वहां कोई मतदाता भी नहीं दिखे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह नहीं दिखा। शहर जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने कई बूथ देखे थे।भाजपा में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में भी जोश था। पार्टी के युवा मोर्चा की टीम सक्रिय थी। भाजपा के बूथ पर कार्यकर्ताओं की फौज इतनी थी कि बैठने की जगह भी नहीं मिल रही थी। सबसे अहम हर कार्यकर्ता को अलग अलग टास्क दे रखा था। भाजपा ने पूरे प्रबंधन के साथ मतदान के दिन काम किया। जब शाम चार से छह बजे का समय था तब भाजपा के घर से बूथ तक वोटर लाने के लिए बड़े स्तर पर काम किया गया। कई बूथ पर छह बजने से पांच मिनट पहले तक कई मतदाताओं को वोट कराने भेजा।

चुनाव विश्लेषकों के अनुसार चुनाव कोई भी जीते लेकिन इस बार जीत का अंतर कम होगा। इसके पीछे वे बताते हैं कि वोट तीन जगह भाजपा, कांग्रेस और बीएपी में डायवर्ट हुआ है। वे कहते हैं कि बीएपी डूंगरपुर के आसपुर और प्रतापगढ़ के धरियावद में इनके विधायक हैं तो उसका फायदा तो उन्हें होगा। पिछले चुनाव में मतदान का प्रतिशत सबसे ज्यादा होने के पीछे मुख्य कारण राष्ट्रवाद का मुद्दा था, जिसका सीधा असर था और लोग घरों से स्वत: वोट करने निकले थे। अभी इस लोकसभा क्षेत्र में शामिल 8 में से 5 भाजपा के खाते में हैं। एक कांग्रेस और बीएपी के यहां से दो विधायक हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कन्हैया लाल हत्याकांड को मुद्दा बनाया था। अभी यहां आए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस मामले को उठाया था।

मतपेटी जमा कराने के दौरान कार्मिक की तबियत बिगड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद मतपेटी जमा कराने जाने के दौरान एक कार्मिक कूरीचंद की तबियत बिगड़ गई। जिसे आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान कार्मिक की मौत हो गई। जिसका शव जिला अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया। जिसके बाद पीएम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। मृतक शिक्षा विभाग प्रारंभिक में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत था। शनिवार सुबह मृतक के परिजन मोर्चरी पहुंचे तथा मृतक बड़े भाई ने पुलिस का रिपोर्ट देकर बताया कि देवल निवासी 56 वर्षीय कुरीचंद पुत्र मूलचंद कलाल जो कि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त था।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

भीलवाड़ा, (निसं)। एक युवती को अच्छी नौकरी दिलाने और बढ़िया सैलरी का झांसा देकर चित्तौड़ से बुलाकर नशीला जूस पिलाकर एक युवक ने उसका दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना उसे वायरल करने की धमकी देकर लगातार पीड़िता से दुष्कर्म करता रहा। इतना ही नहीं युवक ने अपने दोस्तों से रिलेशन बनाने के लिए जब महिला पर दबाव बनाया तो परेशान पीड़िता ने कोर्ट इस्तगासा के द्वारा थाने में आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

मामला शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। थाना प्रभारी सुगन सिंह ने बताया कि कोर्ट इस्तगासा के बाद मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता द्वारा दी रिपोर्ट में बताया कि 4 साल पहले वो चित्तौड़ में रहती थी और उसे जॉब की तलाश थी। महिला ने सोशल मीडिया पर अपना एक रिस्यूम पोस्ट किया जिसे देखकर भीलवाड़ा में रहने वाले कुंदन झा ने उसे जॉब और अच्छी सैलरी का झांसा दिया और भीलवाड़ा बुलाया। यहां कुंदन एक मकान में ले गया जहां उसे नशीला पदार्थ मिला जूस पिला दिया और वो बेहोश हो गई। उसकी बेहोशी का फायदा उठाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जब उसे होश आया तो कुंदन उसके पास ही बैठा था। पीड़िता के नाराज होने पर युवक ने उसका अश्लील वीडियो बताया और किसी को भी इस बारे में बताने पर उसे वीडियो वायरल करने की धमकी दी। उसके बाद कुंदन ने पीड़िता को लगातार इस वीडियो को दिखाकर ब्लैकमेल किया और उसका दुष्कर्म करता रहा। इसके बाद उसने अपने कुछ दोस्तों को युवती के पास लेकर आया और उनसे भी फिजिकल होने का दबाव दबाव बनाया। परेशानी युवती ने कुंदन के खिलाफ इस्तगासा से मामला दर्ज करवाया है। प्रताप नगर पुलिस ने कुंदन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

ट्रोले ने ट्रैक्टर को टक्कर मारी, गेहूं से भरा ट्रैक्टर खाई में गिरा

ट्रैक्टर में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए

पाटन, (निसं)। दो दिन पहले घटी घटना के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई सबक नहीं मिला है ,उसी का नतीजा आज फिर देखने को मिला है। घटना नीमकाथाना रोड जीर की चौकी की है, जहां एक तेज गति से जा रहे ट्रॉले ने गेहूं से भरे हुए ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिससे गेहूं से भरा हुआ ट्रैक्टर ट्रॉली सहित खाई में जा गिरा।

ट्रैक्टर में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को एंबुलेंस के द्वारा जिला अस्पताल नीमकाथाना में भर्ती करवाया गया। घायल मोनू, चंदगीराम व जयकिशन नीमकाथाना के पास हीरा काली के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो रायपुर से गेहूं लेकर अपने गांव जा रहे थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सदर पुलिस ने ट्रॉले को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लोगों ने बताया कि 24 अप्रैल को पाटन क्षेत्र में एक ओवरलोड ट्रोले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी थी जिससे तीन पुलिस कर्मियों की मौके पर मौत हो गई थी। इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी क्षेत्र में ओवरलोड वाहन तेज गति से दौड़ रहे हैं। लोगों ने बताया कि अधिकांश वाहन चालक अनुभवहीन है जिस कारण आए दिन दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन अगर वाहन चालकों की बारीकी से जांच करें तो अधिकांश वाहनों में अनुभवहीन चालक देखने को मिल सकते हैं।

पाटन में टक्कर के बाद गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में जा गिरी।

दूदू कलेक्टर के ऑफिस से लेपटॉप व कई दस्तावेज जब्त किए ए.सी.बी.ने

दूदू जिला कलेक्टर व पटवारी द्वारा भू-रूपांतरण के बदले पच्चीस लाख रुपये की घूस मांगने का मामला

- **राज्य सरकार ने कलेक्टर ढाका को शनिवार देर रात एपीओ किया।**
- **एसीबी ने शुक्रवार देर रात को कलेक्टर और पटवारी हंसराज के सरकारी आवास और तहसील में तलाशी अभियान चलाया था।**
- **एसीबी की टीम ने कलेक्टर और पटवारी के मोबाइल फोन लेपटॉप व कंप्यूटर जब्त किए।**

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने भू-रूपांतरण के बदले पच्चीस लाख रुपये की घूस मांगने के मामले में शनिवार को दूदू जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस और तहसील से अहम सबूत जब्त किए है। वहीं इस बीच मामले में राज्य सरकार ने कलेक्टर ढाका को एपीओ कर दिया है।

एसीबी के एडीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि मामले में आरोपी दूदू जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस में सर्च कर कई स्टेटमेंट और दस्तावेज एसीबी की टीम ने जब्त किए है। शुक्रवार देर रात को मामले में कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के सरकारी आवास और तहसील में तलाशी अभियान चलाया था। उन्होंने बताया कि केस का नेचर देखते हुए कलेक्टर के निजी आवास पर सर्च की कार्रवाई नहीं की गई। एसीबी की टीमें सबूतों की जांच और अनुसंधान में जुटी हुई है।

सूत्रों के अनुसार एसीबी की टीम ने शनिवार को कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के मोबाइल फोन जब्त किए है। इनकी एफएसएल से जांच करवाई जा रही है। वहीं आज एसीबी की एक टीम सुबह दूदू तहसील कार्यालय पहुंची। जहां एसीबी के अधिकारियों ने पटवारी के कमरे की तलाशी लेकर वहां से कम्प्यूटर व कुछ जरूरी दस्तावेज जब्त किए। वहीं दूसरी टीम ने कलेक्टर हनुमान मल ढाका के ऑफिस में भी सर्च किया। इस दौरान उनका लेपटॉप व दस्तावेज जब्त किए। इससे पहले शुकवार देर रात करीब एक बजे शुरू हुई सर्च की कार्रवाई शनिवार सुबह आठ बजे तक चली।

उधर, एसीबी ने कलक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज को मामले में अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है। एसीबी दोनों से एसीबी पूछताछ कर रही है।

सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में सामने आया कि कलेक्टर व पटवारी घूस लेने के लिए व्हाट्सअप कॉल का इस्तेमाल करते थे। ताकी कभी पकड़े नहीं जा सके और कॉल हिस्ट्री से भी बचा जा सके। लेकिन एसीबी को मालूम चल गया था कि व्हाट्स अप कॉल से यह सारा खेल खेला जा रहा है। इसलिए एसीबी कॉल रिकॉर्डिंग कर रही थी। एसीबी ने कलेक्टर का एक और पटवारी के दो मोबाइल बरामद कर लिए है। अब दोनों के मोबाइल से कई राज खुलेंगे। इसके बाद एसीबी दोनों को नोटिस जारी कर मुख्यालय में पूछताछ के लिए फिर बुला सकती हैं

गौरतलब है कि एसीबी ने दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के यहां शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे छापेमारी की। आरोप है कि भू-रूपांतरण के बदले 25 लाख रुपए घूस मांगी गई थी।

यह था मामला...

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डीआईजी डॉ. रवि ने बताया कि एसीबी को पीड़ित ने शिकायत दी कि दूदू में उसकी फर्म के नाम से 204 बीघा जमीन है। इसके कुछ खसरे तालाब-पाल क्षेत्र में होने के कारण कन्वर्जन करवाए जाने की शिकायत कलेक्टर के पास की गई थी। उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज ने 25 लाख रुपए मांगे थे। पैसे के लिए परिवादी को परेशान किया जा रहा था। हालांकि पीड़ित ने पैसा नहीं होने का हवाला दिया तो 15 लाख रुपए देने के बदले कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था। एसीबी के सत्यापन के दौरान पीड़ित के साथ रिकॉर्डर भी भेजा गया था। जिसमें यह साबित हो गया कि दूदू कलेक्टर ढाका ने रिश्वत के करीब साढ़े सात लाख रुपए डाक बंगला स्थित अपने आवास पर मंगाए थे। उन्होंने बताया कि पीसी एक्ट के तहत कलेक्टर और पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर छापेमारी की गई है। एसीबी ने कलेक्टर के डाक बंगला स्थित आवास और तहसील कार्यालय दूदू में भी तलाशी ली।

नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण रुचिकर बने : राज्यपाल

- **नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित**

राज्यपाल कलराज मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि फैकल्टी डेवलपमेंट के अंतर्गत शिक्षण की बोझिलता को दूर करने के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में जो नवीनतम परिवर्तन हो रहे हैं, उनको सम्मिलित करते हुए नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण को प्रभावी किया जाए।

मिश्र शनिवार को महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा आयोजित फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को पढ़ाना नहीं, उन्हें समय-संदर्भों से जोड़ते हुए शिक्षण को रुचिकर बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखना और सीखाना सतत प्रक्रिया है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए यह प्रयास किया जाए कि शिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि सक्षम और प्रभावी शिक्षक ही विद्यार्थियों को भविष्य की नई दिशाएं प्रदान कर सकता है।

मिश्र ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य तकनीक का समावेश करते हुए चिकित्सा प्रशासन, शोधकर्ता की भूमिका आदि से जुड़े कौशल विकसित करने की ओर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति के आलोक में भी फैकल्टी डेवलपमेंट को अद्यतन किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जिसमें नएपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अधिक हम अपनाएंगे उतना ही हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलते चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञानार्जन के साथ-साथ शिक्षा जनोपयोगी तभी बनेगी, जब युगीन संदर्भों का समावेश करते हुए उसमें नवाचारों को अपनाया जाए।

इससे पहले राज्यपाल ने उपस्थितजनों को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत सेठ ने इस कार्यक्रम की उपादेयता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपाध्यक्ष डॉ. सी. मल्लिकार्जुन ने संकाय विकास के लिए राज्यवार किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया। उपाध्यक्ष डॉ. शिवकांत मिश्र ने सभी का आभार जताया।

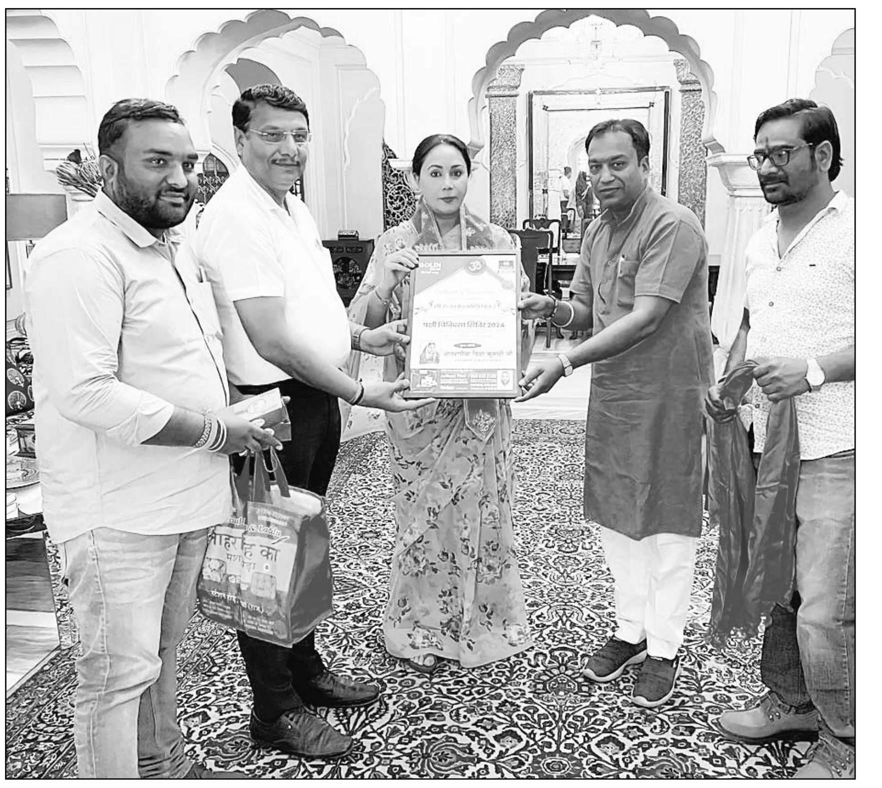

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को हरि ओम जन सेवा समिति राजस्थान द्वारा जीव दया सम्मान पत्र भेंट किया गया। यह सम्मान लघु उद्योग भारती सरना के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल, सौर ऊर्जा वाले चिरंजी लाल कुमावत, पार्षद सुरेश जांगिड़ द्वारा प्रदान किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य प्रशंसा के योग्य है। बेजुबान जानवरों व पक्षियों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य और धर्म का कार्य है। समिति द्वारा पिछले 7 सालों से प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों के लिए मां अन्नपूर्णा भंडारा भी चलाया जा रहा है।

नेट-थियेट पर भजनों की स्वर गंगा बही

जयपुर, (का.सं.)। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज भजन की स्वर गंगा कार्यक्रम में भजन कलाकार गौरव भट्ट ने अपनी मधुर वाणी से भजन की ऐसी सरिता प्रवाहित कि की लोग भक्ति रस में हिलोरे लेने लगे।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार गौरव ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुरदास के भजन प्रभु मेरे अवगुण चित्त ना धरो, समदर्शी प्रभु नाम तिहारो,चाहो तो पार करो सुनाकर भजन की शुरुआत की। इसके बाद मीराबाई का भजन दरस बिना दुखन लागै नैन और फिर गुरुनानक की वाणी काहे रे बन खोजने जाई, सख निवासी सदा अलेपा तोही संगि समाई जैसे भजनों को बड़े ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया और अंत में तुम मेरी लाखों लाज हरि, तुम जानत सब अंतर्यामी, करनी कछु ना करी, सुनाकर श्रोताओं को भजनों की स्र्वगंगा में डुबकी लगवाई।

इनके साथ सितार पर हरिहर शरण भट्ट और तबले पर विजय बानेत ने असरदार संगतकर भजनों की इस सुरीली शाम को भक्तिमय बना दिया कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध उद्घोषक आर डी अग्रवाल ने किया। संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया।

अब तक 932 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध सामग्री पकड़ी

आचार संहिता लागू होने के बाद से राजस्थान में रिकॉर्ड जब्ती

- **4 जिलों में 40 करोड़ रुपये से अधिक, 9 जिलों में 30 करोड़ और 13 जिलों में 20-20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं, नकद राशि जब्त**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में 932.41 करोड़ रुपये कीमत की जब्तियां की हैं। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 834 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर अलग-अलग एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में प्रदेश भर में लगातार जब्ती की कार्रवाई की जा रही हैं। 1 मार्च से अब तक राजस्थान में 4 जिलों में 40-40 करोड़ रूपये से अधिक, 9 जिलों में 30-30 करोड़ रुपये और 13 जिलों में 20-20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी आदि जब्त की गई है।

जिलेवार जब्ती में जोधपुर में 47.03, चूरू में 43.08 गंगानगर में 41.92, भीलवाड़ा में 40.11, जयपुर में 39.18, पाली में 39.10, डूंगरपुर में 38.53, दौसा में 36.75, उदयपुर में 36.25, बाड़मेर में 36.21, झुंझुनूं में 34.74, बीकानेर में 32.97, चित्तौड़गढ़ में 32.44, अलवर में 29.78, टोंक में 29.50, प्रतापगढ़ में 29.43, नागौर में 27.96, हनुमानगढ़ : 25.32, बांसवाड़ा में 24.94, कोटा में 23.43, जालोर में 22.45, धौलपुर में 22.28, राजसमंद में 22.23, अजमेर में 21.91, सिरोही में 20.84, झालावाड़ में 20.49 करोड़ रुपये की जब्ती की है।

गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एजेंसियों की ओर से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष 1 मार्च से अब तक लगभग 40 करोड़ रुपये नकद, 131.69 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 45.72 करोड़ रुपये स्व अधिक कीमत की शराब और लगभग 51.39 करोड़ रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 662.73 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की अन्य सामग्री तथा लगभग 90 लाख रुपये मूल्य की मुफ्त वितरण की वस्तुएं (फ्रीबीज) भी जब्त की गई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध वस्तुओं के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने वाली कार्यकारी एजेंसियों में राज्य पुलिस, राज्य एक्साइज, नारकोटिक्स विभाग एवं आयकर विभाग प्रमुख हैं।

परिवीक्षा काल में किए जे.ई.एन. के तबादले पर रोक

- **जब परिवीक्षा काल में तबादला नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता का तबादला क्यों किया गया : अदालत**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने परिवीक्षाकाल में चल रहे जेईएन के तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार सहित पीएचईडी विभाग से जवाब देने को कहा है। अदालत ने पूछा है कि जब परिवीक्षा काल में तबादला नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता का तबादला क्यों किया गया।

जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश शिवानी की याचिका पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सामान्य तौर पर राज्य सरकार के हर विभाग के तबादला आदेश में यह नोट डाला जाता है कि यदि कोई कर्मचारी परिवीक्षा काल में है तो उस पर तबादला आदेश प्रभावी नहीं होगा। इसके बावजूद याचिकाकर्ता के तबादला आदेश में इस तरह का कोई भी नोट नहीं डाला गया है।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति दिसंबर 2022 में दो साल के परिवीक्षा काल पर हिंडौन में हुई थी, लेकिन दो साल का प्रोबेशन समय पूरा हुए बिना ही फरवरी 2024 में उसका तबादला गंगापुर कर दिया गया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि प्रोबेशन पीरियड में किसी भी कर्मचारी का ट्रांसफर करने का नियम नहीं है।

घुमन्तु बस्तियों में बहने लगी बदलाव की बयार

जयपुर (कासं)। राजस्थान में खासकर जयपुर जिले में घुमंतू जाति उत्थान न्यास घुमन्तु समाज के सर्वांगीण विकास में जुटा है। कुछ माह अस्तित्व में आए न्यास ने अनेक परोपकारी गतिविधियां संचालिज कर घुमन्तु समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है।

घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि न्यास ने राजस्थान की राजधानी की नौ घुमंतु बस्तियों में पुजारी नियुक्त कर रखे हैं। जो बस्ती के पूजा स्थल पर सुबह-शाम आरती करते हैं। इन सबको पूजन सामग्री न्यास की ओर से उपलब्ध करवाई जाती है। जयपुर की 14 बस्तियों में आरोग्य मित्र नियुक्त किए हुए हैं। ये आरोग्य मित्र छोटी-मोटी बीमारियों की दवा उपलब्ध करवाते हैं।

ए.आई. जरूरी, लेकिन फैसले दिमाग से ही नहीं दिल से भी होते हैं : जस्टिस मिश्रा

- **वैकल्पिक वाद निस्तारण की व्यवस्था न्याय प्रणाली में गेम चेंजर की भूमिका निभाएगी : सी.जे.**

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा (बायें से तीसरे) ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित एडीआर में तकनीक-भविष्य में नवाचार और चुनौतियां विषय पर आयोजित समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव (बायें से चौथे) , सोलिसीटर जनरल तुषार मेहता (बायें से पहले) , राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा (बायें से पांचवें) और एडवोकेट जनरल राजेन्द्र प्रसाद (दायें) ने भी संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में न्याय व्यवस्था में वैकल्पिक वाद निस्तारण व्यवस्था और तकनीक जरूरी है। तकनीक के चलते लोगों को भौगोलिक बाध्यताओं के बिना कम लागत में न्याय मिल रहा है। जस्टिस मिश्रा राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली को लेकर आयोजित समारोह की कड़ी में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित एडीआर में तकनीक-भविष्य में नवाचार और चुनौतियां विषय पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज न्याय व्यवस्था में आर्टिफिशल इंटेलिजेंसी (ए.आई.) जरूरी है, लेकिन सिर्फ एआई से न्याय नहीं मिल सकता, क्योंकि कई बार फैसले दिमाग से ही नहीं दिल से भी दिए जाते हैं।

जस्टिस मिश्रा ने कहा कि एआई तकनीक न्याय दिलाने में सहायक हो सकती है, लेकिन यह मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं ले सकती। मशीन सिर्फ अपनी फाइंडिंग दे सकती है, लेकिन हर फाइंडिंग जजमेंट नहीं होता। एक अमीर व्यक्ति की ओर से की गई चोरी और एक गरीब व्यक्ति की ओर से जीवन जीने के लिए की गई चोरी को एआई एक तरह से ही देखेगी। यदि तकनीक का उचित उपयोग नहीं किया गया तो यह अर्श से फर्श पर भी ला सकती है। दूसरी ओर इसमें साइबर सुरक्षा और डेटा प्रोटेक्शन का खतरा भी रहता है, लेकिन अब ई-अनपढ़ नहीं रहा जा सकता। इसके अलावा वैकल्पिक वाद निस्तारण में वकील की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं हाईकोर्ट के सीजे एमएम श्रीवास्तव ने कहा कि आज निचली अदालतों में करीब चार करोड और हाईकोर्ट ने 65 लाख मामले लंबित हैं। बिना गुणवत्ता कम किए इनका जल्दी निस्तारण करना एक चुनौती है। अब न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग कर मुकदमों का निस्तारण किया जा रहा है और ई-कोर्ट इनका उदाहरण है। हमने कोविड में तकनीक की महत्ता देखी है। ऑनलाइन लोक अदालतों के जरिए हमने बडी संख्या में मुकदमें तय किए हैं। वैकल्पिक वाद निस्तारण की व्यवस्था न्याय प्रणाली में गेम चेंजर की भूमिका निभाएगी। आज प्रदेश में लंबित मुकदमों में एक तिहाई चैक अनादरण के केस हैं। इन मुकदमों और एमएसीटी जैसे मुकदमों को एडीआर के जरिए सुलझाया जा सकता है। हम तकनीक से अधिकतम सहायता ले सकते हैं, लेकिन साथ ही मानव दृष्टिकोण भी रखना पड़ेगा। इस मौके पर जस्टिस पंकज भंडारी ने कहा कि एडीआर मुकदमों के भार के नीचे दबी न्यायपालिका के भार को कम करते हैं। ऑनलाइन वाद निस्तारण से कम लागत में न्याय मिल रहा है। ई-कोर्ट से भी लोगों को न्याय मिल रहा है। हालांकि इसमें क्षेत्राधिकार जैसी कुछ समस्या भी रहती है। वहीं इससे जुडे कुछ कानूनों में भी संशोधन करने की जरूरत है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एआई की सहायता तो ली जा सकती है, लेकिन इसके साथ ही मानव मस्तिष्क का उपयोग भी जरूरी है। एआई सेवक हो सकती है, मालिक नहीं। सेमिनार को गेस्ट ऑफ ऑनर जस्टिस डॉ पुष्पेंद्र भाटी, राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा, एडवोकेट जनरल राजेन्द्र प्रसाद ने भी संबोधित किया।

एसएमएस परिसर में पौधारोपण

जयपुर। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए नर्सिंग ऑफिसर्स ने एसएमएस परिसर में पौधारोपण किया। राजस्थान संविदा नर्सेज प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने बताया कि वन मंत्री के पूरी तरह से स्वस्थ होने तक प्रतिदिन इस अभियान के तहत परिवारजन एवं कार्यकर्ता पौधारोपण करते रहेंगे। इस मौके पर मंत्री पुत्र निकुंज शर्मा, अलवर नगर निगम महापौर घनश्याम गुर्जर,रोहिताश घांगल,रजनीकांत भारद्वाज, हर्षवर्धन तिवाड़ी, ललित दीक्षित, सियाराम मीणा आदि उपस्थिति रहे।

8 वर्षीय हिमांशु 2 घंटे के लिए बना गांधीनगर थाने का इंचार्ज

थैलेसीमिया से बीमार बच्चे की पुलिस अफसर बनने की इच्छा थी

- **बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए उसके पिता ने डरते-डरते यह बात गांधी नगर थानाधिकारी से की तो उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया**

जयपुर (कासं)। आठ वर्षीय हिमांशु सैनी 2 घंटे के लिए गांधीनगर थाने का सीआई बना। इस दौरान हिमांशु को पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर सीआई की कुर्सी पर बैठाया गया और थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ उसकी मुलाकात कराई गई। हिमांशु ने थाने के पुलिसकर्मियों के साथ चाय पी और उनकी ड्यूटी और काम को लेकर कुछ सवाल पूछे। करीब 2 घंटे सीआई की कुर्सी पर बैठने के बाद हिमांशु काफी खुश नजर आया। गांधी नगर सीआई उदयभान यादव ने बताया कि हिमांशु सैनी (8) पुत्र राजू सैनी बांदीकुई का रहने वाला है। हिमांशु को थैलेसीमिया की बीमारी है, जिसके कारण उसे हर महीने जयपुर आना पड़ता है। हिमांशु के पिता ने 1 दिन पहले मुझे बताया कि हिमांशु पुलिस अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन वह काफी बीमार रहता है। अगर उसे एक बार पुलिस की वर्दी पहनने और थाने में आने का मौका दिया जाए तो उसे बहुत अच्छा लगेगा। सीआई ने बताया कि बच्चे की इच्छा जानकार मैंने उसके पिता को शनिवार को हिमांशु को लाने के लिए कहा। इस पर आज शाम 4 बजे हिमांशु का परिवार उसको लेकर थाने लेकर पहुंचा। यहां पर उसे पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर उसे मैंने अपनी कुर्सी पर बैठाया। हिमांशु सीआई की कुर्सी पर बैठकर बहुत खुश नजर आया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने भी उसका मनोबल बढ़ाने का पूरा प्रयास किया। हिमांशु के पिता राजू सैनी ने बताया कि थाने में पहुंचकर पुलिस की वर्दी पहनना, पुलिसकर्मियों के बीच रहना और सीआई की कुर्सी पर बैठना हिमांशु के लिए सपना सच होने जैसा था। हिमांशु अपनी बीमारी के बारे में जानता है। वह कई बार पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा जाहिर करता है। बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए बड़ी हिम्मत कर गांधीनगर थाने पहुंचा। यहां सीआई उदयभान को हिमांशु की बीमारी के बारे में बताया और उसकी पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा के बारे में भी बताया।

फूड पॉइजिंग से 20 लोग बीमार

भरतपुर (निस)। उद्योग नगर थाना इलाके में करीब 20 लोग फ़ूड पॉइजिंग को वजह से बीमार हो गए। बीमार लोगों को आरबीएम अस्पताल में लाया गया। कुछ लोगों को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है। सभी लोगों ने शादी के घर में खाना खाया था। तब से उनकी तबियत बिगड़ी है।

मरीजों ने बताया कि सांतरुक गांव में 25 अप्रैल को निशु नाम की लड़की की शादी थी।

24 अप्रैल को निशु के घर कड़ी चावल और पूरी बनी थी। निशु के परिजनों और आसपास के लोगों ने खाना खाया और सभी लोग घर चले गए। 25 अप्रैल को कुछ लोगों की तबियत खराब होने लगी।

उन्होंने पहले तो मेडिकल की दुकान से दवा ले ली लेकिन, उनकी तबियत ठीक नहीं हुई। कल करीब 20 लोगों की तबियत ज्यादा बिगड़ गई। जिन्हें रारह के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। शाम को सभी लोगों को छुट्टी मिल गई।

आज सुबह फिर से करीब 20 लोगों को उल्टियां पेट दर्द होने लगा। जिसके बाद सभी लोगों को आरबीएम अस्पताल लेकर आया गया। फिलहाल आरबीएम अस्पताल में 15 लोगों को भर्ती किया गया है। वहीं कुछ लोगों को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है।

21 दीप प्रज्जवलित कर किया परम सेवा मिशन का शुभारंभ

भरतपुर (निस)। संस्था मां माधुरी बृजवारिस सेवा सदन अपना घर के रजत जयंती वर्ष में परम सेवा मिशन व संस्था की नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी, अपना घर भरतपुर कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय अपना घर सेवा समिति पदाधिकारियों द्वारा अपने दायित्व की शपथ ग्रहण की गई। परम सेवा मिशन का शुभारंभ मंच पर पदाधिकारियों एवं सेवा साथियों द्वारा 21 दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता विभाग राजस्थान सरकार रहे। इसके बाद आश्रम अध्यक्ष बबीता गुलाटी द्वारा भरतपुर आश्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

परम सेवा मिशन व संस्था की नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी, अपना घर भरतपुर कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय अपना घर सेवा समिति पदाधिकारियों द्वारा अपने दायित्व की शपथ ग्रहण की गई।

उन्होंने कहा कि आश्रम में जिस दिन से प्रभुजी का प्रवेश होता है उसी दिन से पुर्नवास प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिससे प्रभुजनो को उनके घर भेजा जा सके। जिसकी सूचना आश्रम पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न माध्यमों से उनके परिजनों तक सूचना भिजवाई जाती है और प्रभुजनों का पुर्नवास कराया जाता है। संस्था द्वारा प्रभुजनों की हर आवश्यकता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है। जिसमे कैफेटेरिया में प्रभुजनों के द्वारा बताने पर 23 प्रकार का भोजन तैयार कराया जाता है। नगर निगम द्वारा दी गई गौशाला में गौमाताओं के हिसाब से ब्लॉक बनाए गए है जिनमें गौमाताएं रहती है, वहीं उन्होंने कहा कि आश्रम में फलैट तैयार कराए जा रहे है जिनमें प्रभुजनों की शादी कराकर उनको रहने के लिए दिए जाएंगे। राष्ट्रीय सचिव चंद्रशेखर गुप्ता ने राष्ट्रीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने देश भर में बने आश्रमों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि सभी आश्रमों में प्रभुजनों की हर आवश्यकता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है जिसमें प्रभुजनों की सेवा से लेकर आश्रमों आवश्यकतानुसार उपकरण आदि का भी ध्यान रखा जाता है। संरक्षक वीरपाल सिंह ने परम सेवा मिशन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब प्रभुजनों की सेवा में और अधिक सुधार होगा जिससे प्रभुजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि अपनाघर में किसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए ठाकुरजी को चिठ्ठी लिखी जाती है और विभिन्न मानव स्वरूप मे ठाकुरजी आकर आवश्यकता की पूर्ति की करते है। संस्थापिका डॉ. माधुरी भारद्वाज ने संस्था की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इसके बाद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामस्वरूप अग्रवाल ने संस्थागत दो साल के कार्यकाल को बहुत अच्छा बताते हुए कहा कि आगे भी आने वाले दो साल और अधिक अच्छे रहेंगे। जिसमें परम सेवा मिशन के तहत सेवा को और अधिक बेहतर बनाया जाएगा।

संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपना घर एक विचार धारा है, साक्षात प्रभुजी के दर्शन अपनाघर में ही हो सकते है। यहां जो भी समस्याएं आती है ठाकुरजी स्वयं आकर संभालते है। यहां की सेवाओं में सेवा साथियों का विशेष सहयोग रहता है चाहे वो सेवा के क्षेत्र में हो या किसी अन्य रूप में हो। उन्होंने कहा कि आज परम सेवामिशन का शुभारंभ हुआ है। संसाधनों की चिंता स्वयं ठाकुरजी को होती है हमें नहीं करनी है यही परम सेवा है। हम स्वयं के कल्याण के लिए सेवा कर रहे है यही परम सेवा है।

सार-समाचार

साइकिल को बना दिया इलैक्ट्रिक मोटरसाइकिल

करौली(नि.स.)। वैसे तो दुनिया में वैज्ञानिक बड़े-बड़े आविष्कार कर रहे हैं लेकिन करौली मे एक बंगाली डॉ. ने अपने मिशन से हटकर साइकिल को मोटरसाइकिल का रूप दिया है इसके अलावा उन्होंने घरेलू उपयोग में आने वाले पंखा,कूलर बहुत कम लागत में तैयार की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार करौली कि अरावली नगर कॉलोनी में बंगाली डॉ. उपेंन राय उपचार के अलावा घरेलू उपकरण बनाने में माहिर हैं जो वैज्ञानिक की तर्ज पर बैठे-बैठे कुछ ना कुछ कार्य करते रहते हैं। जिन्होंने बाजार से एक 8 हजार 500 रुपये की साइकिल खरीद कर मोबाइल में उपयोग में ली जाने वाली बैटरी के खराब होने के बाद उन बैटरीयो को सस्ते दामों में खरीद कर घरेलू उपकरण पंखा, कूलर आदि बनाने का काम अपने घरेलू उपयोग में ले रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने साइकिल को भी उन खराब बैट्रींयों का उपयोग करते हुए साइकिल को इलेक्ट्रॉनिक साइकिल बना दिया जो बिना पैडल के करीब 40 किलो मीटर की स्पीड से चलती है उन्होंने बताया कि एक बार चार्ज करने पर करीब 50 किलोमीटर का सफर तय हो जाता है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर (निस)। भरतपुर अभियोजन मुख्यालय पर नवीन विधियां भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संबंधित विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय एवं उपखण्ड स्तर पर पदस्थापित सभी अभियोजन अधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय सुरक्षा संहिता के प्रावाधानों अनिल शुक्ला अभियोजन अधिकारी द्वारा विशेष जानकारी दी गई एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में रेखा शर्मा अभियोजन अधिकारी द्वारा नवीन प्रावधानों पर प्रकाश डाला गया। उदघाटन भाषण में संयुक्त निदेशक अभियोजन अशोक बमनावत द्वारा समय समय पर ऐसे प्रशिक्षण आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया जिससे अभियोजन को अधिकाधिक प्रभावी बनाया जा सके।

दो बालिकाएं गंभीर रूप से घायल

भरतपुर (निस)। विजय नगर कॉलोनी में 11 हजार केवी की लाइन के सम्पर्क में आने से दो बालिकाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें उनके परिजनों के द्वारा इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका उपचार जिला आरबीएम अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायल बालिका पारूल की मां कमलेश कल देर शाम आंधी जा रही थी। तब उसकी भांजी विद्या अपने मकान की रेलिंग पर खडी थी। आंधी के झौंके चलते उनके घर के पास होकर जा रही 11 हजार केवी की विद्युत लाइन रेलिंग से टच हो गई। जिससे विद्या को करंट लग गया। विद्या की चीख पुकार सुनकर उसकी ममेरी बहन पारूल उसे बचाने के लिए दौडी और उसे भी करंट लग गया। जिससे दोनों बालिकाएं गंभीर रूप से झुलस गई। दोनों की चीख पुकार सुनकर परिजन उपर गए और दोनों को इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार जारी है। फिलहाल दोनों बालिकाएं खतरे से बाहर बताई जा रही हैं।

13 हजार रुपए छीनकर बदमाश फरार

भरतपुर (निस)। नगर कस्बे में दिनदहाडे बाइक सवार बदमाशों ने लूटपाट की। एक महिला को फेरी करने वाले दो युवकों से सामान व कपडा लेना भारी पड़ गया। महिला के हाथो में से 13 हजार रुपए छीनकर बदमाश फरार हो गए। लूट की घटना सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हो गई। सुचना पाकर नगर पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच वे प्रक्रिया में जुट गई है। पीड़ित मिथलेश ने बताया की एक मोटरसाइकिल सवार होकर दो युवक कपड़ों की फेरी करते हमारे पड़ोस में किरण देवी महिला के घर आए तो हम उनसे लेगी व अन्य कपड़ा खरीदने लगे तो किरण देवी ने मुझसे पैसे मांगें तो में किरण देवी को जब पैसे दे रही थीं तो फेरी करने वाले हमारे हाथो में से 13 हजार रूपयों को छीनकर भाग गए। जिसकी सूचना देकर पुलिस को हमने अवगत कराया जो आगे की जांच कर रही है और आसपास के लगे हुए सीसटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है।

भजन जिकडी का आयोजन 4 मई को

भरतपुर (निस)। ग्राम पंचायत अजान कुम्हेर में 4 मई को जिकडी भजनों का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में पुरस्कार निम्न प्रकार रहेंगे। ग्राम पंचायत अजान के सरपंच समय सिंह ने बताया कि प्रथम पुरस्कार 31000 रूपये, द्वितीय 21000 रूपये तथा तृतीय पुरस्कार 11000 रूपये का दिया जावेगा तथा प्रत्येक कलाकार को 500 रूपये अलग से दिये जायेंगे।

तबादले पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

हिंडौन सिटी। जिला चिकित्सालय हिंडौन में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत एक डाक्टर को पिछले माह चिकित्सा विभाग नें एपीओ करते हुए धौलपुर जिले के बसेड़ी अस्पताल में ट्रांसफर के आदेश किये थे.उस आदेश को लेकर हाइकोर्ट में अपील की गई। जिस पर राजस्थान हाइकोर्ट नें चिकित्सा विभाग के ट्रांसफर आदेश पर रोक लगाते हुए हिंडौन जिला अस्पताल में जॉइन कराने आदेश दिए।

प्रार्थी के अधिवक्ता विजय पाठक नें बताया कि 15 मार्च को चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग की संयुक्त शासन सचिव नें एक आदेश जारी करते हुए हिंडौन जिला अस्पताल में कार्यरत स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ जयलाल माली को एपीओ करते हुए मुख्यालय जयपुर जॉइन करने के आदेश जारी किये और 16 मार्च को जयपुर मुख्यालय से बसेड़ी अस्पताल ट्रांसफर करने के आदेश जारी कर दिए। उक्त आदेश की प्रार्थी के अधिवक्ता विजय पाठक द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग के प्रमुख शासन सचिव,संयुक्त शासन सचिव,निदेशक और पीएमओ हिंडौन को पार्टी बनाते हुए राजस्थान हाइकोर्ट में अपील की गई।

अपील पर गुरुवार को राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस नें सुनवाई करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग के उक्त आदेश पर रोक लगाते हुए तुरंत प्रभाव से स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ को जिला अस्पताल हिंडौन में ही कार्यभार ग्रहण कराने के आदेश दिए.हाईकोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को डॉ जयलाल माली नें हिंडौन के जिला अस्पताल में कार्यभार ग्रहण किया।

पिकअप में लगी आग

करौली (नि.स.)। करौली. जिला मुख्यालय स्थित चटीकना मोहल्ले में बीड़ी के पत्ते भरके ले जा रही पिकअप में सड़क पर विद्युत लाइन से छू जाने के कारण आग लग गई। हालांकि आसपास मौजूद लोगों द्वारा समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार करौली के चटीकना मोहल्ले में बागुर वाली मस्जिद की गली में एक पिकअप बीड़ी के पत्ते भरकर ले जा रही थी।

इस दौरान सड़क के ऊपर झूलती विद्युत लाइनों से छू जाने के कारण पिकअप में भरी बीड़ी के पत्तों के बोरे ने आग पकड़ली। मौके पर मौजूद लोगों ने पिकअप में आग लगती देखकर चालक को रुकवाया। इस दौरान कुछ लोग आनन-फानन में पिकअप पर चढ़ गए और बीड़ी के पत्तों से बोरियों को नीचे फेंका। साथ ही कुछ लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया पुरुस्कृत

करौली (नि.स.)। शनिवार को शहर के वार्ड नं 37 में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय कल्लादह करौली में सहशैक्षिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओ को पुरुष्कृत किया गया।

संस्था प्रधान गंगाराम प्रजापत ने बताया कि सत्र 2023-24में वर्ष पर्यन्त सतत मूल्यांकन में सर्वाधिक उपस्थिति के लिए मोहम्मद उजर खान,चित्रांकन में मुस्कान माली,अनुशासन प्रिय श्रेष्ठ विद्यार्थी सुहानी माली,सुलेख में रोशनी माली को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर पेन एवं कॉपी देकर सम्मानित किया गया। संस्था प्रधान ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन मे आदर्श बनने एवं परोपकार करने के साथ नियमित अध्ययन करके ही सफलता प्राप्त होती है। विद्यार्थियों को परीक्षा से भयभीत नहीं होना चाहिए ये आपके

करौली के विद्यालय में विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते संस्था प्रधान गंगाराम प्रजापत।

लिए प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन कक्षा 5 प्रथम बोर्ड परीक्षा है जो 30 अप्रेल से 3 मई तक सम्पन्न होगी। 5वी कक्षा मे अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुरानी रंजिश को लेकर की युवक से मारपीट, गोली मारी

धौलपुर। पुरानी रंजिश को लेकर धौलपुर जिले के बसेड़ी थाना क्षेत्र के बाबू का पुरा गांव में एक युवक के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर गोली मार दी। मारपीट और गोली लगने से घायल हुए युवक को परिजनों ने बाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन गन शॉट जांघ में फंसा होने की वजह से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल धौलपुर के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में घायल का इलाज किया जा रहा है। जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराए गए 25 वर्षीय घायल धीरज पुत्र धांधू परमार निवासी बाबू का पुरा ने बताया कि शनिवार को वह गांव के बाहर खड़ा हुआ था। इसी दौरान पड़ोसी गांव के तीन युवक घात लगाकर पहुंच गए, जहां आरोपियों ने लाठी डंडों से जमीन पर पटक कर मारपीट कर दी। जिसके बाद जांघ में गोली मारकर आरोपी फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंच गए। जहां परिजनों ने घायल धीरज को बाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया।

अंगदान जागरूकता कार्यकम का आयोजन

धौलपुर। अंगदान जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता प्रो. महेश चन्द गुप्ता द्वारा की गई। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि अंगदान ही सबसे बडी सेवा है तथा इस मौके पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जहां वक्ताओं ने कहा कि भारत में 0.01 प्रतिशत लोग ही मृत्यु के बाद अंगदान करते है। भारत मे जनजागरूकता बेहद जरूरी है। इस मौके पर एनएसएस प्रभारी डॉ. निधी त्यागी ने बताया कि अंगदान ही महादान है। मंच संचालन सहायक प्रो. भवानी सिंह मीणा द्वारा किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के सभी शैक्षिणक और अशैक्षिणक स्टाफ मौजूद रहे।

महिला की संदिग्ध मौत

धौलपुर। शनिवार को धौलपुर शहर के निहालगंज थाना क्षेत्र में कैंथरी रिसोर्ट के पास एक मकान में महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला तीन दिन पहले ही किराए पर रहने आई हुई थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवा दिया है।

- **शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवा दिया है**

घटना को लेकर निहालगंज थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह सूचना मिली थी कि कैंथरी रिसोर्ट के पीछे एक कॉलोनी में बने मकान के कमरे में महिला का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मौके पर मौजूद मकान मालिक से पूछताछ करने पर पता चला कि महिला तीन दिन पहले ही एक व्यक्ति के साथ किराए पर रहने आई थी। महिला ने अपना नाम 45 वर्षीय राजवती पत्नी महेंद्र निवासी तोर और उसके साथ आए व्यक्ति को अपना पति बताया। थाना प्रभारी ने बताया कि सुबह जब मकान मालिक ऊपर छत पर पहुंचे तो उन्हें कमरे में महिला मृत हालत में मिली और महिला के साथ मौजूद व्यक्ति गायब मिला। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध है। महिला के परिजनों की तलाश की जा रही है। जिनके आने के बाद मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल मृतका का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

नहर में गिरने से युवक की मौत

भरतपुर (निस)। सुजानगंगा नहर में डूबे व्यक्ति के शव की पहचान बुद्ध के हाट निवासी दीपू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दीपू सुजानगंगा नहर की बाउण्ड्री पर बैठा था। जहां से अचानक गिर जाने से उसकी मौत हो गई। देर शाम सिविल डिफैंस की टीम ने उसके शव को ढूंढने का खूब प्रयास किया। लेकिन शुक्रवार को सफलता नहीं मिली।

आज सुबह एक बार फिर सिविल डिफैंस की टीम ने शव की तलाश की जिस पर शव को तलाश कर बाहर निकाला गया। मथुरा गेट थाना पुलिस ने मृतक के शव को जिला आरबीएम अस्पताल पंहुचाया। जहां पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि दीपू ई रिक्शा चलाने का कार्य करता था। वह अपने परिवार के साथ किले में किराए के मकान पर रहता था।

दीपू कल शाम को सुजान गंगा नहर की बाउण्ड्री पर बैठा हुआ था। तभी अचानक से उसका संतुलन बिगड गया और नहर में जा गिरा। युवक के गिरने की घटना पर स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिस पर मथुरा गेट थाना पुलिस ने एसडीआरएफ के जवानों को मौके पर बुलवाया और दीपू की तलाश की गई। लेकिन दीपू देर रात्रि तक नही मिल सका। जिस पर शनिवार को एक बार फिर दीपू की तलाश की गई। एसडीआरएफ की टीम ने शव का नहर से निकाला। जिस पर मथुरा गेट थाना पुलिस ने मृतक के शव का जिला आरबीएम अस्पताल मोर्चरी में रखवाया।

बारातियों से भरी पिकअप पलटी, दूल्हे के पिता और चाचा की मौत

धौलपुर। बारात लेकर जा रही एक पिकअप बेकाबू होकर खेत में पलट गई। हादसे में दूल्हे के पिता सहित दो की मौत हो गई, वहीं करीब 7 लोग घायल हो गए। जिन्हें पुलिस ने जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया है। घटना से शादी के घर में मातम पसर गया। हादसा धौलपुर शहर के सदर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 123 पर आदर्श नगर गांव के पास हुआ है।

जानकारी के अनुसार धौलपुर शहर के सत्यनारायण कॉलोनी निवासी रामवीर सिंह अपने पुत्र रोनू की बारात लेकर उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के जगनेर कस्बे में गया था। शादी समारोह को संपन्न कर शनिवार को पिकअप गाडी में सवार होकर डेढ़ दर्जन से अधिक बाराती वापस घर लौट रहे थे। तभी नेशनल हाईवे 123 पर आदर्श नगर गांव के नजदीक पिकअप चालक को नींद की झपकी आ गई और तेज रफ्तार पिकअप खेत में पलट गई। घटना के चश्मदीद लोगों ने बताया कि गाड़ी ने खेत में तीन पलटी खाई है। दुर्घटना से मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसे को देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए।

जिन्होंने पुलिस को सूचित कर गाडी के अंदर से फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को

सभी घायलों का जिला अस्पताल धौलपुर में उपचार किया जा रहा है।

एम्बुलेंस द्वारा जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया। जहां दूल्हे के पिता रामवीर सिंह को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं इलाज के दौरान घायल दूल्हे के चाचा रामनिवास की भी मौत हो गई।घटना को लेकर सदर थाना प्रभारी रामनरेश मीणा ने बताया कि सभी घायलों का जिला अस्पताल धौलपुर में उपचार किया जा रहा है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। हादसे के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। इस दौरान हादसे में 25 वर्षीय सोनू पुत्र सुरेश चंद्र, 35 वर्षीय राधे पुत्र धर्मेंद्र, 60 वर्षीय जनक सिंह पुत्र शिव सिंह, 8 वर्षीय विकास पुत्र लोकेंद्र सिंह, 50 वर्षीय धर्मेंद्र सिंह पुत्र जीवनलाल, 65 वर्षीय महिपाल आदि 7 जने घायल हैं, जिनका जिला अस्पताल धौलपुर में इलाज चल रहा है।

सत्यनारायण की कथा का शुभारंभ

हिण्डौन सिटी। टोडाभीम के पास भजेड़ा गांव में शनिवार को सत्यनारायण की कथा का शुभारंभ हुआ। इससे पहले 101 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। जो हनुमान मंदिर से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होती हुई हनुमान मंदिर के पास कथा स्थल पहुंची। इस दौरान रास्ते में लोगों ने जगह-जगह फूल बरसा कर यात्रा का स्वागत किया।कलश यात्रा के साथ लोग ध्वजा लेकर चल रहे थे।

वहीं महिलाएं डीजे के साथ नाचती गाती चल रही थी । लोकेश मीणा ने बताया कि सत्यनारायण भगवान कथा का कल समापन होगा। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान महुआ, टोडाभीम, भजेडा, पाडला सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे।

कलशयात्रा का पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

हिण्डौन सिटी। टोडाभीम के नागलशेरपुर में आज से हुनमंत कुटी बालाजी पर श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ हुआ।

इससे पहले डीजे के साथ महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। जो हनुमंत कुटी से प्रारंभ होकर कथा स्थल हुनमंत कुटी बालाजी पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह फूल बरसा कर स्वागत किया। भागवत आचार्य सियाराम शास्त्री नागलशेरपुर वालों ने बताया कि भागवत कथा करना एक बहुत बड़ा धर्म है। और जहां कहीं भी भागवत कथा हो रही हो हमें अवश्य सुनने के लिए जाना चाहिए।

पॉचना नदी के पानी में मिला शव

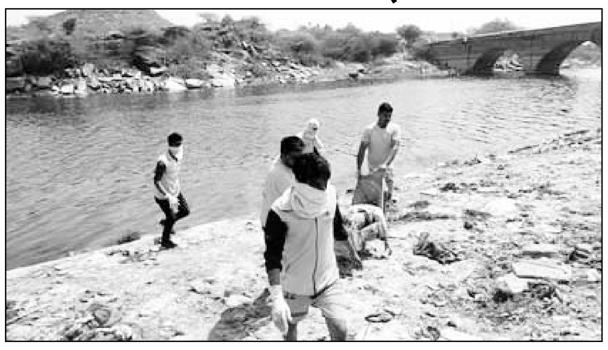
करौली की पांचना नदी से शव को बाहर निकालते टीम के जवान।

करौली (नि.स.)। करौली-हिंडौन रोड स्थित पांचना नदी में शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम और करौली सदर थाना पुलिस घटना स्थल पहुंची तथा मृतक के शव को नदी से निकालकर करौली अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया पुलिस सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से मृतक की पहचान के प्रयास कर रही थी देर शाम मृतक कि पहचान के बाद पोस्टमार्टम कि कार्यवाही की गई। करौली सदर थाना अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम पर शनिवार प्रातः पांचना नदी में किसी के डूबने की सूचना मिली थी। सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम और पुलिस दल मौके पर पहुंचा। जहां सिविल डिफेंस टीम केजवान बृजभूषण, जयदेव, पुष्पेंद्र, सपना, फरमान खान, उपेंद्र, मनीष आदि की मदद से मृतक के शव को नदी से बाहर निकाला। नदी में मिला शव करीब 5 दिन पुराना बताया जा रहा था। आसपास के लोगों से भी मृतक की पहचान के प्रयास किए। पहचान नहीं होने पर। मृतक के शव को करौली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया इसके बाद थाना अधिकारी ने विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदी की रिपोर्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक की पहचान के प्रयास किये। वही मध्य प्रदेष,उत्तर प्रदेष व अन्य स्थानो पर भी सूचना भिजवाई गई देर शाम कुछ लोग करौली अस्पताल पहुॅचे जहा उन्होने थाना अधिकारी योगेन्द्र शर्मा कि उपस्थिति मे मृतक के शव की पहचान कि गई इस दौरान मृतक के पुत्र मोनू ने शव कि पहचान अपने पिता रामदयाल पुत्र बुद्धा जाटव 70 निवासी माहिदपुर (निठार) जिला भरतपुर के रूप मे की जिस पर थाना अधिकारी शर्मा ने पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कि कार्यवाही शुरू करते हुए बताया कि रामदयाल गत 23 अप्रेल को प्रात अपने गाव से निकला था।

टोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने की मानसिकता के साथ वहां जा रहे हैं। -तजिन्दर पाल तूर

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, भारतीय एथलीटों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **ऋषभ पंत**

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में ऋषभ पंत को एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना है जबकि वह बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को आक्रमण में एक नया आयाम जोड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की जिम्मेदारी सौंपना चाहते हैं। जहीर का सबसे दिलचस्प चयन 26 वर्षीय दयाल का रहा जो घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश और इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। जहीर ने अपनी टीम चुनते समय मोहम्मद शमी की चोट को भी ध्यान में रखा है।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के वाल्ट हैंड पहले क्रिकेटर थे जिन्होंने 100 कैच पकड़े, उन्होंने 1939 में वेस्टइंडीज के जॉर्ज हैडली का कैच पकड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

फ्रेजर ने खेली ताबड़तोड़ पारी

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली और मुंबई के बीच आईपीएल 2024 का मुकाबला खेला जा रहा है। जहां दिल्ली कैपिटल्स पहले बल्लेबाजी कर रही है। वहीं जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों की जमकर

धुनाई की, उन्होंने पॉवरप्ले में जसप्रीत बुमराह से लेकर हार्दिक पंड्या, किसी को नहीं छोड़ा। उन्होंने चौथे ही ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया, ये कारनामा उन्होंने महज 15 गेंदों में किया। वह एक खास रिकॉर्ड बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। जैक फ्रेजर क्रिस गेल के सबसे तेज शतक को तोड़ने के बेहद करीब थे, लेकिन उनकी इस ताबड़तोड़ पारी का अंत पीयूष चावला ने कर गेल का रिकॉर्ड बचा लिया। लेकिन इस पारी में भी जैक ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो पहले किसी ने नहीं बनाया। जैक की ये इस सीजन की दूसरी सबसे तेज अर्धशतकीय पारी है। हालांकि, वह आज भी यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए, जायसवाल ने पिछले सीजन 13 गेंदों में फिफ्टी जड़ी थी। फ्रेजर ने 2 बार 15 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा है। वह सबसे कम गेंदों पर 2 अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

अगर विराट पारी का आगाज करते है तो भारत रिंकू और शिवम दोनों को अंतिम एकादश में खिला सकता है : पठान

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। पूर्व आल राउंडर इरफान पठान ने शुक्रवार को कहा कि अगर विराट कोहली कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हैं तो आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की अंतिम एकादश में रिंकू सिंह और शिवम दुबे जैसे 'पावर हिटर' फिनिशर के लिए जगह बन सकती है। भारत के 2007 टी20 विश्व कप के विजयी अभियान के नायक रहे पठान ने हालांकि कहा कि ऐसा करने से विकल्प सिर्फ पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों तक सीमित हो जाएगा। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स पर 'प्रेस रूम शो, टिकट टू वर्ल्ड कप' में कहा, "भारतीय पारी का आगाज करने के लिए यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा होने चाहिए और ऐसा सिर्फ सिर्फ दायें हाथ और बायें हाथ के संयोजन के कारण है। जायसवाल का अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइक रेट 160 का है और आपको इसकी जरूरत है।" लेकिन पूर्व कप्तान कोहली के साथ पारी का आागज करने के भी अपने फायदे होंगे। उन्होंने कहा, "अगर विराट बल्लेबाजी की शुरुआत करते हैं तो 11 खिलाड़ियों का संयोजन एक निश्चित तरीके से बन जायेगा जैसा आप चाहते हो। अगर ऐसा होता है तो आप शिवम दुबे को खेलते हुए देख सकते हैं बशर्ते वह टीम में हो।"

16वीं सब जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैम्पियनशिप शुरू

देहरादून, 27 अप्रेल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित बहुउद्देशीय हॉल में रोल बाल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित 16वीं सब जूनियर (अंडर-14) बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया। धामी ने उत्तराखंड तथा हिमाचल के मध्य आयोजित मैच का आनंद लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इससे पहले उन्होंने सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया तथा खेल के क्षेत्र में देश व प्रदेश का नाम रोशन करने का आ ान किया। इस अवसर पर, नेशनल रोल बाल चैंपियनशिप के प्रेसिडेंट पंकज भारद्वाज, सेकेट्री चिरतानजी नेगी, अमित भाटिया, आशीष नेगी, डॉ. वरुण प्रताप सिंह, प्रियांक शर्मा, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

जहीर ने 20 के लिए एकमात्र विकेटकीपर पंत को चुना

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में ऋषभ पंत को एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना है जबकि वह बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को आक्रमण में एक नया आयाम जोड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की जिम्मेदारी सौंपना चाहते हैं। जहीर का सबसे दिलचस्प चयन 26 वर्षीय दयाल का रहा जो घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। जहीर ने अपनी टीम चुनते समय मोहम्मद शमी की चोट को भी ध्यान में रखा है।जहीर ने 'जियो सिनेमा' से कहा, " यश दयाल का स्थान 'फ्लोटिंग स्पॉट' (अस्थायी) होगा क्योंकि मोहम्मद शमी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। " उन्होंने कहा, "वह एक ऐसा गेंदबाज है कि अगर आप कभी भी किसी को गेंदबाजी के लगाना चाहते हैं तो उसे इस्तेमाल किया जा सकता है जैसे अगर सिराज की फॉर्म सही नहीं है। " उन्होंने संजू सैमसन, केएल राहुल और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत को अपनी टीम में एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना। जहीर ने कहा, "पंत मेरे एकमात्र विकेटकीपर हैं। मैंने चार तेज गेंदबाज लाने को अधिक महत्व दिया है। आप दूसरे विकेटकीपर के लिए एक तेज गेंदबाज की बलि नहीं देना चाहेंगे। आपके पास केएल राहुल, संजू सैमसन जैसे विकल्प हैं और कई लोग दिनेश कार्तिक को देखना चाहते हैं। " उन्होंने कहा, "इस समय हम महेंद्र सिंह धोनी के स्ट्राइक रेट के कारण उन पर भी विचार कर सकते हैं ! अगर आप एक महीने तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए एक टीम बना रहे हैं तो'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर आपका विकेटकीपर हो सकता है।"

राजस्थान की 9 मैचों में 8 वीं जीत, लखनऊ को 7 विकेट से हराया

राजस्थान की तरफ से संजू सैमसन ने नाबाद 71 और जुरेल ने 52 रन की नाबाद पारी खेली

लखनऊ, 27 अप्रेल। आईपीएल में 17वें सीजन की टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स ने एक और जीत दर्ज कर ली। टीम ने लखनऊ सुपरजायंट्स को उन्हीं के होमग्राउंड पर 7 विकेट से हरा दिया। कप्तान संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने राजस्थान से फिफ्टी लगाईं। दोनों ने चौथे विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप कर लखनऊ के हाथ से मैच निकाला।

शनिवार को इकाना स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। केएल राहुल ने 76 और दीपक हुड्डा ने 50 रन बनाए। राजस्थान से संदीप शर्मा ने 2 विकेट लिए।

राजस्थान ने 19 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 199 रन बना लिए। सैमसन 71 और जुरेल 52 रन बनाकर नॉटआउट रहे। सैमसन ने ही छक्का लगाकर टीम को जीत भी दिलाई। लखनऊ से यश ठाकुर, मार्कस

स्टोयनिस और अमित मिश्रा ने 1-1 विकेट लिया।

9 मैचों में 8वीं जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम है। टीम के 16 पॉइंट्स हैं। उनसे नीचे 4 टीमें 10-10 पॉइंट्स लेकर दूसरे से पांचवें नंबर पर मौजूद है। लखनऊ की 9 मैचों में चौथी हार रही, टीम 5 जीत के बाद 10 पॉइंट्स लेकर चौथे नंबर पर है।

दिन के पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 10 रन से हराया। दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 257 रन बनाए। मुंबई ने भी कड़ी टक्कर दी लेकिन टीम 247 रन ही बना सकी।

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने 3 विकेट गिरने के बाद टीम को संभाला। उन्होंने टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया और ध्रुव जुरेल के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। सैमसन ने मोहसिन खान के खिलाफ छक्का लगाकर 29 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उनके बाद ध्रुव जुरेल ने भी 31 बॉल पर अर्धशतक लगाया। रियान पराग 11 बॉल में 14 रन बनाकर अमित मिश्रा का शिकार हुए। पराग ने इससे पहले मिश्रा के खिलाफ लॉन्ग ऑन की दिशा में छक्का लगाया था।

तीरंदाजी कप : ज्योति ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई

शंघाई, 27 अप्रेल। एशियाई खेलों की चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शानदार प्रदर्शन के बूते शनिवार को यहां शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक बनाकर भारतीय दबदबे की अगुआई की। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ज्योति ने सत्र के शुरूआती वैश्विक टूर्नामेंट में मेक्सिकों की शीर्ष वरीय आंद्रिया बेसेरा को शूट-ऑफ में 146 146 (9-9) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। ज्योति ने इस तरह पिछले साल हांगझोऊ एशियाड की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें विजयवाड़ा की 27 वर्षीय तीरंदाज ने व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाई थी। सुबह के सत्र में भारत ने गैर-ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में अपना दबदबा बनाते हुए टीम स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप करते हुए स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी तथा पुरुष टीम, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा जीतीं। इनमें से दो में ज्योति टीम का हिस्सा रहीं। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा ने इटली को 236.225 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने 24 तीरों में सिर्फ चार अंक गंवाये और छठी वरीयता प्राप्त इटली को बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक से खाता खोला। पुरूष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238.231 से मात दी।

मयंक यादव ने नेट में गेंदबाजी शुरू की, पूर्ण मैच फिटनेस हासिल करने के करीब

लखनऊ, 27 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले दो मैच में अपनी रफ्तार से क्रिकेट जगत में तलहका मचाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पेट के निचले हिस्से में चोट के कारण लगभग तीन सप्ताह के आराम के बाद नेट में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफआईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि वह फिर से खेलने के करीब हैं। दिल्ली के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज ने लगातार तीन तीन विकेट लिए और लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पार करके सभी को हैरान कर दिया। लेकिन तीसरे ही मैच में चोटिल हो गये। वह 'साइड स्ट्रेन' के कारण पूरे रणजी ट्राफी सत्र में नहीं खेले थे। श्रीराम ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "वह आज नेट में गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए हम देखेंगे कि वह आज के बाद कैसे गेंदबाजी करता है। वह फिर से खेलने के काफी करीब है। इसकी उम्मीद है। " श्रीराम ने कहा, " मैंने पिछले लगभग एक महीने से उनके साथ काम किया है। वह बहुत परिपक्व लगता है और वह अपने शरीर को अच्छी तरह से जानता है जो एक युवा तेज गेंदबाज के लिए बहुत अच्छी बात है।

पीजीडीएवी कॉलेज ने जाकिर हुसैन कॉलेज को 233 रनों से हराया

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। श्रेष्ठ यादव के तूफानी शतक और उसके बाद घातक गेंदबाजी की बदौलत पीजीडीएवी (प्रात:) कॉलेज ने द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाइट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में जाकिर हुसैन कॉलेज को 233 रनों से रौंद दिया। जाकिर हुसैन कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी (प्रात:) कॉलेज ने 2 विकेट पर 272 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पीजीडीएवी कॉलेज की ओर से श्रेष्ठ पी. यादव ने सिर्फ 70 गेंदों में 172 रनों की शतकीय पारी खेली। 273 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जाकिर हुसैन कॉलेज की टीम को पीजीडीएवी कॉलेज के गेंदबाजों ने 7.2 ओवर में 39 रन ढ़ेरकर मुकाबला जीत लिया । पीजीडीएवी कॉलेज की ओर से गौरव मेहरा ने 7 रन देकर 3 विकेट लिए। पीजीडीएवी (प्रात:) कॉलेज के श्रेष्ठ पी. यादव को प्रमोद सेठी, कुलवीर गहलोत और विपिन त्यागी द्वारा प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

भारतीय एथलीट खुद को दुनिया के शीर्ष एथलीटों से कम नहीं समझते : तूर

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। भारतीय के शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक में विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक से भारतीय खिलाड़ियों का 'विश्वास बढ़ा' है और वे खुद को 'शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं' समझते हैं।

दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तूर ने कहा कि चोपड़ा की उपलब्धि के बाद मानसिकता में आए बदलाव ने भारतीय एथलीटों को विश्वास दिलाया है कि वे पेरिस ओलंपिक में सिर्फ भाग लेने के लिए नहीं बल्कि जीतने के लक्ष्य के साथ जा रहे हैं। तूर ने शनिवार को यहां 'टीसीएस विश्व 10के बेंगलुरु' की पूर्व संध्या पर आयोजित एक पैनल चर्चा में कहा, " तोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने की मानसिकता के साथ वहां जा रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आज मानसिकता में बदलाव आया है। हम अपने आप को उन शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं समझते जिनके साथ हम प्रतिस्पर्धा करते हैं। विश्व चैंपियनशिप के नतीजों को देखें, हमारे पास नीरज और किशोर जेना पोडियम पर थे। हमारे पास डीपी मनु भी थे। वह इसी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे थे।" चर्चा में 27 बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी, शीर्ष निशानेबाज तेजस कृष्ण प्रसाद, स्क्वाश स्टार जोशना चिनप्पा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय एथलीट और अर्जुन पुरस्कार विजेता अश्विनी नचप्पा भी शामिल थे।

भारतीय क्रिकेट को हार्दिक पंड्या को इतनी तवज्जों नहीं देनी चाहिए : इरफान पठान

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में हार्दिक पंड्या को इतनी प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए क्योंकि वह आईसीसी टूर्नामेंट में प्रभावित करने में विफल रहे हैं। मुंबई इंडियंस का यह आलराउंडर इस आईपीएल सत्र में खराब फॉर्म से जूझ रहा है जिससे उनके भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने पर सवाल उठ रहे हैं। टीम की घोषणा जल्द ही की जानी है।

पठान ने स्टार स्पोर्ट्स पर 'प्रेस रूम शो, टिकट टू वर्ल्ड कप' में कहा, "हार्दिक पंड्या के बारे में कहूं तो भारतीय क्रिकेट को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि उन्हें उतनी प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए जितनी उन्होंने अब तक दी है। क्योंकि हमने अभी तक (उनकी मौजूदगी में) विश्व कप नहीं जीता है। " उन्होंने कहा, "अगर आपको लगता है कि आप एक मुख्य आलराउंडर हैं तो आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस तरह का प्रदर्शन करना होगा। जहां तक आलराउंडर का सवाल है तो उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह से प्रभावित नहीं किया है। हम सिर्फ उसकी क्षमता के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन में काफी बड़ा अंतर है तथा उन्होंने पंड्या को टूर्नामेंट चुनने के बजाय पूरे साल खेलने की सलाह दी। पठान ने कहा, "हम आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बीच भ्रमित हो रहे हैं। दोनों में काफी अंतर है। सबसे पहले तो उसे पूरे साल खेलना होगा। वह चुनकर टूर्नामेंट नहीं खेल सकता। " उन्होंने कहा, "भारतीय क्रिकेट को ऐसा करना बंद करना होगा। किसी एक खिलाड़ी को तवज्जो देना बंद करें क्योंकि अगर आप ऐसा करोगे तो आप बड़े टूर्नामेंट नहीं जीत सकते। " पठान ने कहा, "आस्ट्रेलिया इतने वर्षों से 'टीम गेम' को प्राथमिकता दे रहा है। हर किसी को सुपरस्टार बना रहा हैं, उनकी टीम कोई एक सुपरस्टार नहीं, टीम में हर कोई सुपरस्टार है।

अब लगता है कि टी-20 में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है : करन

कोलकाता, 27 अप्रेल। टी20 क्रिकेट इतिहास में सर्वश्रेष्ठ रन चेज का रिकार्ड बनाने वाली पंजाब किंग्स के कप्तान कप्तान सैम करन ने कहा कि अविश्वनीय मगर हकीकत में इस जीत को देख कर लगने लगा है कि अब छोटे फार्मेट के क्रिकेट में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होने कहा के लिये वह पूरी टीम को विशेषकर जॉनी ब्रेयस्टो और शंशांक को इस जीत का श्रेय देना पसंद करेंगे। दोनो ने असाधारण खेल का प्रदर्शन किया और एक विश्वनीय लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया। ऐसा लग रहा है कि टी20 क्रिकेट बेसबॉल में तब्दील हो गया है। पंजाब के कप्तान ने कहा कि खराब फार्म से जूझ रहे ब्रेयस्टो के लिये यह मैच उनके आत्मविश्वास को वापस लाने वाला था। लियम लिविंगस्टन की जगह पर आए ब्रेयस्टो ने 48 गेंदों पर आठ चौके और नौ छक्कों की मदद से 108 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को एक रिकॉर्ड जीत दिलाई इस बीच ब्रेयस्टो ने कहा मैं इससे पहले कभी ऐसे मैच में नहीं रहा, जब एक पारी में 260 रन बने हो। जब गेंद आपके पाले में आती है तो आपको प्रहार करना ही होता है और मैने ऐसा ही किया। करन ने शशांक सिंह की तारीफ करते हुये कहा वह हमारे लिए इस सीज़न की खोज रहे हैं। उन्हें इस मैच में नंबर चार पर भेजकर एक अतिरिक्त ज़िम्मेदारी दी गई थी, जिसे उन्होंने बख़ूबी निभाया। वह और आशुतोष शर्मा इस साल अविश्वसनीय रहे हैं और मैं दोनों के लिए बहुत ख़ुश हूं। शशांक ने मात्र 28 गेंदों पर नाबाद 68 रन बना कर केकेआर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले नेपाल ने वेस्टइंडीज को दी मात

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम नेपाल दौरे पर है, जहां टीम का आगमन ही चर्चा में रहा। दरअसल, वेस्टइंडीज टीम को अपना सामान एयरपोर्ट के बाहर एक छोटे टेम्पो पर रख कर ले जाना पड़ा। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं नेपाल ने वेस्टइंडीज की टीम को हरा दिया, जबकि मेहमान टीम ने 205 रनों का विशाल लक्ष्य नेपाल को दिया था। रोस्टन चेस की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे। कप्तान चेस ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए, 46 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 2 छक्के और 9 चौके जड़े। इससे पहले अलिक एथंज़े ने 47 और कैसी कार्ती ने 26 गेंदों में 38 रन बनाए। नेपाल क्रिकेट टीम ने 205 रनों के विशाल लक्ष्य को 2 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। कप्तान रोहित पौडेल ने 54 गेंदों में 112 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 6 छक्के जड़े, उनके बाद नेपाल के लिए सबसे ज्यादा 24 रन दीपेंद्र सिंह ने बनाए। रोहित पौडेल को उनकी मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उबेर कप : अश्मिता चालिहा ने किया उलटफेर

भारतीय महिलाओं ने कनाडा को 4-1 से हराया

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। अश्मिता चालिहा ने अपने से ऊंची रैंकिंग की खिलाड़ी मिशेल लि को हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय महिला टीम ने शनिवार को यहां उबेर कप टूर्नामेंट में कनाडा पर 4-1 से जीत से सकारात्मक शुरुआत की। रैंकिंग में 53वें स्थान पर काबिज चालिहा ने मानसिक मजबूती और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी लि को शुरुआती एकल मुकाबले में 42 मिनट में 26-24 24-22 से मात दी।

लि 2014 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक विजेता हैं। फरवरी में पहली बार एशिया टीम चैम्पियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही चालिहा ने पीवी सिंधू सहित शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी अच्छी तरह निभायी। पिछले दिसंबर में सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब जीतने वाली प्रिया कोन्जेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा महिला युगल जोड़ी ने कैथरीन चोई और जेसलिन चाउ को 21-12, 21-10 से हराकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया।

इशारानी बरुआ ने वेन यू झांग को 21-13, 21-12 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिलाने में मदद की। दूसरे महिला युगल में सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर को कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे बाद राष्ट्रीय चैम्पियन अनमोल खरब ने पांचवें और अंतिम मैच में एलियाना झांग को 21-15, 21-11 से हराकर आसान जीत हासिल की।

‘चुनाव आयोग का रवैया भाजपा के पक्ष में रहता है’

विपक्ष के, कांग्रेस, सी.पी.आई. व सी.पी.एम. ने प्र.मंत्री मोदी द्वारा आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में कहा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। चुनाव आयोग पर विपक्ष का यह आरोप है कि वह "पक्षपाती" है पूरी तरह से गलत नहीं लगता है। वर्ष 2019 से अब तक विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के खिलाफ कम से कम 27 शिकायतें दर्ज करवाई है। अब तक इनमें से एक पर भी चुनाव आयोग द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। इसके विपरीत चुनाव आयोग के बारे में ऐसा प्रतीत होता है। वह विपक्षी नेताओं को आगे बढ़कर तेजी से नोटिस जारी कर रहा है। 21 अप्रेल को चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को नोटिस दिया था जिसमें उनसे कहा गया था कि वे उनकी पार्टी के नये गाने से "जय भवानी" व "हिन्दू" शब्द हटा दें।

- इन नेताओं के अनुसार, प्र.मंत्री के खिलाफ विपक्ष द्वारा 27 शिकायतें की गई हैं, "मॉडल कोड ऑफ कन्डक्ट" का उल्लंघन करने के मामलों में।
- पर, चुनाव आयोग ने केवल एक शिकायत पर कार्यवाही का नोटिस दिया है, वह भी पार्टी अध्यक्ष नड्डा को संबोधित करके।
- जबकि उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी तथा केजरीवाल को तुरन्त सीधा नोटिस थमा दिया था तथा नवजोत सिंह सिद्धू पर तो 72 घंटे तक प्रचार न करने की पाबंदी लगायी थी।

पिछले साल नवम्बर में चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस बात के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उनके लिए "पनौती" जेब काटने वाला और मित्रों का ऋण माफ करने वाला जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। आप पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल को इस बात के लिए नोटिस जारी किया था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री का "अपमान" किया था।

वर्ष 2019 में, ई.सी. ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर 72 घंटे तक प्रचार करने पर प्रतिबंध इसलिए लगा दिया था क्योंकि उन्होंने बिहार की एक सभा में मुस्लिमों को सचेत करते हुए कहा था कि "वे लोग जनता के बीच में ए.आई.एम.आई.एम. के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं को लाकर आपको आपस में विभाजित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग में 27 शिकायतों के मामले दर्ज करवाए थे उसमें से 12 मामले साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषण देने के थे, 8 मामलों में सशस्त्र बलों से कहा गया था कि वे वोट डालने के लिए कहें, एक मामला राजनीतिक विज्ञापन में सरकारी योजनाओं की सूचना के प्रयोग का था। इसके साथ ही एक शिकायती मामला धर्म के आधार पर वोट मांगने का, एक मामला सरकार के मंत्रालयों से चुनाव प्रचार के लिए भाषण तैयार कराने का, एक चुनाव प्रचार में अवयस्क बच्चों के उपयोग एवं एक "प्रचार बंद काल" के उल्लंघन का था जिसमें चुनाव से पूर्व चुनाव निषेध होता है।

प्रधानमंत्री के नाम का उल्लेख किए बगैर, चुनाव आयोग ने सिर्फ एक शिकायत पर कार्यवाही करते हुए भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को इस बात के लिए एक नोटिस दिया जो उनके "स्टार चुनाव प्रचारक" के भाषण से संबंधित था, "जो कि आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित हो सकता है।"

कांग्रेस, सी.पी.एम., सी.पी.आई., एम.एल. की शिकायतों के आधार पर नोटिस दिया गया था। इन दलों ने आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में आयोजित जनसभाओं में "साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषण" दिया था, अपने भाषण में मोदी ने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन का सत्ता में लाने के लिए वोट दिया तो कांग्रेस भारतीय नागरिकों की सम्पत्ति को "घुसपैठियों" में बांट देगी।

जानेमाने वकील उज्जवल निकम को भाजपा ने मुंबई से टिकट दिया

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता)। भाजपा ने मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से इस बार जाने माने वकील उज्ज्वल निकम को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की 15वीं सूची घोषित की जिसमें मुंबई उत्तर मध्य सीट से मौजूदा सांसद पूनम महाजन की जगह निकम को उम्मीदवार घोषित किया है। निकम ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में पकड़े गये पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में बतौर सरकारी वकील अहम भूमिका निभायी थी। उन्होंने 1993 के बम धमाकों, गुलशन कुमार हत्याकांड जैसे हाई प्रोफाइल मामलों में भी सरकारी पक्ष की सफलता पूर्वक पैरवी की थी।

- निकम ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में पकड़े गये पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में बतौर सरकारी वकील अहम् भूमिका निभायी थी। इसके अलावा वे गुलशन कुमार हत्याकांड जैसे कई हाई प्रोफाइल केस लड़ चुके हैं।

एन.सी.बी. ने राजस्थान में 300 करोड़ रुपये की नशीली दवा जब्त की

नारकॉटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुप्त तरीके से चल रही तीन दवा प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया

- एन.सी.बी. ने तीन संदिग्ध स्थानों, राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर जिले में एक साथ छापेमारी की।
- छापेमारी के दौरान कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन की बरामदगी की गयी। गांधीनगर में पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर अमरेली (गुजरात) में एक और जगह की पहचान की गई है, जहां छापेमारी जारी है।

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुजरात पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते के साथ मिलकर गुजरात और राजस्थान में नशीली दवा बनाने वाली तीन अत्याधुनिक गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ कर 300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दवा जब्त की हैं।

ब्यूरो ने शनिवार को जारी विज्ञिप्त में बताया कि इस संयुक्त कार्रवाई में मुख्य रूप से मेफेड्रोन नाम की नशीली दवा बनाने वाली तीन गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया गया है । ब्यूरो ने कहा है कि अभी चौथी प्रयोगशाला पर छापेमारी जारी है। रात भर कई राज्यों में चले ऑपरेशन में 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन जब्त किया गया। इस अभियान में सात व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं और सरगना की पहचान कर ली गयी है। अब जांच एजेन्सी इन दवाओं के वितरण से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

आतंकवाद रोधी दस्ते को गुजरात और राजस्थान से संचालित इन गुप्त प्रयोगशालाओं के बारे में जानकारी मिली थी। तीन महीने से अधिक समय तक चले ऑपरेशन में इस नेटवर्क में शामिल व्यक्तियों के साथ-साथ गुप्त प्रयोगशालाओं की पहचान के लिए गहन तकनीकी और जमीनी निगरानी की गई।

संयुक्त टीमों ने तीन संदिग्ध स्थानों राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर जिले में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन की बरामदगी की गयी। गांधीनगर में पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर अमरेली (गुजरात) में एक और जगह की पहचान की गई है, जहां छापेमारी जारी है।

ब्यूरो ने कहा है कि इस नेटवर्क के सरगना की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इन दवाओं के वितरण नेटवर्क, राष्ट्रीय और साथ ही किसी भी अंतर्राष्ट्रीय लिंकेज को ट्रैक करने और पहचानने का प्रयास भी किया जा रहा है।

मेफेड्रोन, जिसे 4-मिथाइलमेथकैथिनोन, 4-एमएमसी और 4-मिथाइलफेड्रोन के नाम से भी जाना जाता है, एम्फ़ैटेमिन और कैथिनोन वर्गों की एक सिंथेटिक उत्तेजक दवा है। इसे ड्रोन, एम-कैट, व्हाइट मैजिक, 'म्याऊ म्याऊ' और बबल के नाम से भी जाना जाता है।

एक बार फिर ममता बनर्जी चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ रंगे हाथों न पकड़ा जा सके। रेड और हथियारों के जखीरे की बरामदगी पर तृणमूल कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि पार्टी ने चुनाव आयुक्त को लिखा है कि केन्द्रीय एजेंसिया जानबूझकर चुनावी दौर में इस तरह की रेड डाल रही हैं।

पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि हथियार उस स्थान पर स्वयं जांच एजेंसियों ने ही रखे थे ताकि मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके और तृणमूल पार्टी की छवि खराब की जा सके।

पार्टी ने इस बात की शिकायत की है यहां तक कि, केन्द्रीय जांच एजेंसी ने अपने इस अभियान में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एन.एस.सी.) के बम निरोधक दस्ते को भी बुला लिया, जबकि राज्य सरकार पास भी बमों को निष्क्रिय करने वाला विशेषज्ञों का दस्ता है।

- तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार किया एन.आई.ए. की टीम के खिलाफ और कहा कि, यह जखीरा टीम द्वारा ही मकान पर रखा गया था तृणमूल को बदनाम करने के लिये।
- तृणमूल ने इस बारे में चुनाव आयोग को शिकायत भी की है।

तृणमूल कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने कार्यवाही से पूर्व ही मीडिया को सूचित कर दिया था ताकि राज्य सरकार को इनकी कार्यवाहियों का पता चलने से पहले ही राष्ट्रीय मीडिया में खबरें चलनी शुरू हो जाएं।

इस सप्ताह के प्रारंभ में कलकत्ता हाई कोर्ट ने रोजगार के बदले रिश्वत से संबंधित मामले में राज्य सरकार के आचरण की जांच करने के लिए जांच का आदेश दिया था। साफ है कि राज्य सरकार ने स्कूलों ने नियुक्तियों से संबंधित घोटाले के सबूतों को छिपाने के लिए जानबूझकर आवश्यकता से अधिक पद सृजित किए थे।

इस बीच, जिस हैलीकॉप्टर से ममता बनर्जी यात्रा कर रही थी उसमें वे अचानक गिर गई। ऐसा लगता है जैसे वे चुनाव से पहले वह हमेशा घायल हो जाती हैं। यह उनके लिए एक अच्छा शगुन है चोट लगना-एक चुनाव के दौरान। परन्तु ऐसी घटनाएं उनके साथ अनेकों बार हुई है और यह भी।

चीन पर लगा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप

वॉशिंगटन, 7 अप्रेल। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चीन दखल देने की कोशिश कर रहा है? इसे लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूएस ने चीन की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने और हस्तक्षेप करने के प्रयास के सबूत देखे हैं। मालूम हो कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव इसी साल नवंबर में होना है। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फिर से मुकाबला हो सकता है। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन ने ट्रंप को हरा दिया था।

जर्मनी ने भारत को हथियार एक्सपोर्ट करने पर प्रतिबंध हटाया

लंदन, 27 दिसम्बर। जर्मनी ने भारत के लिए हथियारों की बिक्री से प्रतिबंध हटा लिया है। जर्मनी ने कहा है कि वह भारत को अपवाद के तौर पर मानते हुए छोटे हथियारों की बिक्री पर से प्रतिबंध हटा रहा है। यूरोपीय देश का ये कदम भारत के साथ उसके बढ़ते रणनीतिक और सैन्य संबंधों को दर्शाता है। इससे पहले जर्मनी का अपना एक नियम था। उसने गैर-नाटो देशों को छोटे हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था। द इंडियन एक्सप्रेस ने घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के हवाले से लिखा है कि जर्मनी से छूट मिलने के बाद भारत अब अपनी सेना और राज्य पुलिस बलों के लिए छोटे हथियारों को खरीद सकता है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, जर्मनी ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को उसकी एमपी5 सबमशीन गन के लिए स्पेयर पार्ट्स और अन्य उपकरण खरीदने की अनुमति दी है।

- जर्मनी ने शुरु से ही सभी गैर नाटो देशों को हथियारों की बिक्री को प्रतिबंधित कर रखा था लेकिन भारत को एक "एक्सैप्शन" के तौर पर रखकर इस प्रतिबंध से छूट दे दी गई है।

बता दें कि हेकलर एंड कोच एमपी5 एक सबमशीन गन है जिसे 1960 के दशक में जर्मन हथियार निर्माता हेकलर एंड कोच द्वारा बनाया गया था। खास बात ये है कि यही सबमशीन गन वर्तमान में और भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो द्वारा इस्तेमाल की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी ने अपने निर्यात लाइसेंसिंग नियमों में भी काफी ढील दी है। इसके चलते पिछले महीने कई भारतीय ऑर्डर को मंजूरी दी गई है। इससे पहले भी, छोटे हथियारों को छोड़कर, 95 प्रतिशत भारतीय खरीद सौदों को मंजूरी दे दी जाती थी, लेकिन प्रक्रिया में समय लगता था, जिससे जर्मनी को इस प्रक्रिया को आसान बनाना पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय वायु सेना अपने एएन-32 को रिप्लेस करने के लिए 18 से 30 टन की वहन क्षमता वाले मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) की तलाश कर रही है, जिसमें जर्मनी सहित कई वैश्विक निर्माता रुचि ले रहे हैं। इसके अलावा, इसी साल अक्टूबर के अंत में, जर्मनी से दो जहाज (संभवतः एक फ्रिगेट और एक टैंकर) एक बड़ी तैनाती के हिस्से के रूप में भारत का दौरा करेंगे।

जालोर-सिरोही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारम्परिक मतदाता हैं। इसलिए 62.89 प्रतिशत मतदान होना भाजपा प्रत्याशी के लिए राहत भरी खबर है।

जालोर -सिरोही में चौधरी, देवासी, एस.सी. - एस.टी., ओ.बी.सी. जाति के वोटर अधिक हैं, जिनमें चौधरी, देवासी व ओबीसी भाजपा के वोटर हैं। पूर्व सीएम ने यहाँ प्रचार तो खूब किया, लेकिन वे अपने पुत्र के पक्ष में मतदाताओं को रिझा नहीं पाये। यहाँ तक कहा जा रहा है कि, वे अपनी जाति के वोटरों को भी एक नहीं कर पाये। इस बार चौधरी समाज ने एकजुट होकर अपने भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी के पक्ष में जमकर मतदान किया।

इस बार आहोर में 57.01 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 61.24 प्रतिशत मतदान हुआ था। भीनमाल में 62.38 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि विधानसभा चुनाव में 65.34 प्रतिशत, रानीवाडा में 63.95 प्रतिशत, विधानसभा चुनाव में 77.89 प्रतिशत हुआ था। सांचोर में इस बार 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 80.91 प्रतिशत हुआ था। सिरोही में 58.10 प्रतिशत मतदान हुआ, और विधानसभा चुनाव में 66.01 प्रतिशत हुआ था। आबू पिण्डवाडा में 67.22 प्रतिशत मतदान, जबकि विधानसभा चुनाव में 70.06 प्रतिशत मतदान हुआ था। रेवदर में 65.84 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। जालोर में इस बार 63.19 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 62.72 मतदान हुआ था। विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में स्थानीय नेताओं ने भी रूचि नहीं दिखाई।

- अशोक गहलोत भारी धन राशि खर्च करके भी वैभव के पक्ष में जाति समीकरणों को नहीं साध पाए। अन्य जातियां तो दूर, वे अपनी ही जाति के वोट बैंक को एकजुट नहीं कर पाए।

62.89 प्रतिशत मतदान भाजपा प्रत्याशी को जीत दिला सकता है। भाजपा के कार्यकर्ता व आर.एस.एस. के कार्यकर्ताओं ने अंतिम समय में मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पूर्व सीएम ने चौधरी बहुल इस सीट पर अपने पुत्र वैभव की नैया पार करने के लिए पूरा जोर लगाया है। ऐसे कयास भी लगाये जा रहे हैं कि यदि वैभव के पक्ष में प्रचार करने सचिन पायलट आते तो वैभव को नुकसान की बजाय फायदा ही मिलता और कांग्रेस के पक्ष में मत प्रतिशत भी बढ़ता। लेकिन अशोक गहलोत ने अपने स्वाभिमान के खातिर सचिन को जालोर- सिरोही में प्रचार के लिए बुलाना मुनासिब नहीं समझा।

जालोर- सिरोही लोकसभा सीट भाजपा का गढ़ रहा है। वर्ष 2019 के चुनाव में मतदान 65.74 प्रतिशत था जिसमें भाजपा के देवजी पटेल को 56.76 प्रतिशत और कांग्रेस के रतन देवासी को 37.58 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। कहा जा रहा है कि, देवासी समाज बहुल होने के बाद भी रतन देवासी जीत नहीं पाये, तो पूर्व मु.मंत्री के पुत्र का इस सीट पर जीतना आसान नहीं है। इसलिए गहलोत चिंतित नजर आ रहे हैं।

भूखंड का कब्जा नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवंटित किया। उसने 25 हजार रुपए जमा करा दिए और 22 मार्च को उसे आवंटन पत्र भी जारी हो गया। उसने 4 अप्रैल, 2013 को 9,36,700 रुपए जमा करा दिए, लेकिन जे.डी.ए. ने कानूनी विवाद के चलते यह भूखंड निरस्त कर 2019 में उसे मौजूदा भूखंड से 25 वर्गमीटर कम क्षेत्रफल का नया भूखंड आवंटित किया, लेकिन इस भूखंड का भी कब्जा नहीं दिया। परिवादी ने इस मामले को उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए जे.डी.ए. से जमा राशि हर्जा-खर्चा सहित दिलाने का आग्रह किया। जे.डी.ए ने जवाब में कहा कि, आवासीय योजना में कानूनी विवाद आ गया था और उसका उन पर कोई नियंत्रण नहीं है। अब अमृत कुंज द्वितीय योजना में परिवादी को आवंटन की तैयारी कर रहे हैं। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर परिवादी के पक्ष में फैसला देकर जे.डी.ए. पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए उसे जमा राशि ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।

‘कुछ निहित राजनीतिक स्वार्थ वाले एन.जी.ओ भारत की प्रगति में रोड़ा बन रहे हैं’

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। ईवीएम और वीवीपैट को लेकर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें सर्वोच्च अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में विश्वास जताया। कोर्ट ने शुक्रवार हर वोट के वेरिफिकेशन की मांग को लेकर दायर अर्जियों को खारिज कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) पर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि निहित स्वार्थी समूह ने ईवीएम को बदनाम करने और चुनावी प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास किया है।

- सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी आंकड़े जारी करने वाले एन.जी.ओ. एसोसिएशन फॉर डैमोक्रैटिक रिफॉर्म पर गंभीर सवाल उठाये
- जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ई.वी.एम.-वी.वी-पैट पर फैसले के दौरान कहा कि, हाल के वर्षों में कुछ निहित स्वार्थी समूहों की ओर से एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही है, जो राष्ट्र की उपलब्धियों को कम करने की कोशिश कर रही है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ईवीएम-वीवीपैट पर फैसले के दौरान कहा कि हाल के वर्षों में कुछ निहित स्वार्थी समूह की ओर से एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही, जो राष्ट्र की उपलब्धियों को कम करने की कोशिश कर रही। ऐसा लगता है कि हर संभव मोर्चे पर इस महान राष्ट्र की प्रगति को बदनाम करने, कम करने और कमजोर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के किसी भी प्रयास को शुरुआत में ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। कोई भी संवैधानिक अदालत तो बिल्कुल भी इस तरह के प्रयास को तब तक सफल नहीं होने देगी, जब तक कि मामले में उसकी बात मानी जाती है। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद एडीआर चर्चा में आ गया। आइये जानते हैं क्या है एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स भारत में एक गैर-लाभकारी संगठन है। ये ऐसा समूह है जो चुनाव सुधारों पर ध्यान केंद्रित करता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के प्रोफेसरों के एक ग्रुप ने 1999 में इसकी स्थापना की थी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, भारत की राजनीतिक और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही की वकालत करने में अहम रोल निभाता रहा है। पिछले दो दशकों के दौरान कोर्ट में एडीआर के हस्तक्षेप से कई महत्वपूर्ण चुनावी सुधार हुए हैं।

सिख समाज की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरुण चुघ, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा और दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा भी उपस्थित थे। लोकसभा चुनावों के पहले इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सिख समाज के लगभग एक हजार प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने एक साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अटूट विश्वास करते हुए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन लोगों में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य भूपेन्द्र सिंह गिन्नी, रमनदीप सिंह थापर, परविंदर सिंह लक्की, मंजीत सिंह औलख, रमनज्योत सिंह, जैस्मीन सिंह नौनी और हरजीत सिंह पप्पा भी इस अवसर पर भाजपा परिवार में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने वाले सभी सदस्यों को सदस्यता की पर्ची देकर और पट्टिका पहना कर भाजपा परिवार में शामिल किया गया। सभी ने एक स्वर में देश की विकास यात्रा में योगदान देने का अपना संकल्प दोहराया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सिख समुदाय के प्रति सदैव विशेष लगाव रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के जन कल्याणकारी और विकास कार्यों से प्रभावित हो कर हर वर्ग और हर समुदाय के लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों समेत सभी लोग प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान देना चाहते हैं।

अजमेर में भाजपा के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर हुए उपचुनाव में सचिन पायलट की पैरवी के बाद कांग्रेस नेता डॉ. रघु शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया था। इस उपचुनाव में सचिन पायलट ने जी जान से रघु शर्मा के लिए मेहनत की और उसी का नतीजा था कि, मोदी लहर होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. रघु शर्मा विजयी हुए थे। अजमेर लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान शहरी क्षेत्र में हुआ है। अजमेर शहर में कांग्रेस कार्यकर्ता भी दो फाड़ में बंटे हुए नज़र आते हैं एक ओर निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन, हेमन्त भाटी, प्रताप यादव, महेन्द्र सिंह रलावता पायलट के खेमें में माने जाते हैं वहीं, पूर्व आर.टी.डी.सी. चैयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़, गोपाल बाहेती, द्रोपदी कोली, नौरत गुर्जर आदि ने गहलोत का दामन थामा हुआ है। आम मतदाताओं की बात की जाए तो शहरी मतदाताओं में स्थानीय मुद्दे गौण होते हुए नज़र आए और लोगों ने राम मंदिर व राष्ट्रवाद के मुद्दे पर मतदान किया है।

केन्द्रीय सरकार में प्रमुख भूमिका मिलेगी शिवराज सिंह चौहान को?

प्रधानमंत्री मोदी ने एक रैली के दौरान कहा था कि, वे शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली, ले जाना चाहते हैं, प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद कयासों का बाजार गर्म है

भोपाल, 27 अप्रेल। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले और भाजपा के कद्दावर नेता शिवराज सिंह चौहान की राष्ट्रीय राजनीति में शानदार एंट्री होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही इसका हिंट दिया है। एक रैली के दौरान उन्होंने कहा था कि वह शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली यानी कि केंद्र में ले जाना चाहते हैं। प्रधानमं के इस बयान के बाद कयासों का बाजार गर्म है।

आपको बता दें कि, शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस शहर को उनका गढ़ माना जाता है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है। 1980 और 1984 में आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी की जीत और बाद में उनकी मृत्यु के कारण पैदा हुई सहानुभूति लहर के दम पर यह सीट जीती थी। 1967 में अस्तित्व में आने के बाद ये केवल दो मौके थे जब कांग्रेस ने यह सीट जीती।

24 अप्रैल को मध्य प्रदेश के हरदा में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पार्टी संगठन में हो या फिर मुख्यमंत्री रहते हुए, हमने साथ-साथ काम किया है। पीएम मोदी ने रैली में कहा, "जब शिवराज संसद गए थे, तब मैं पार्टी महासचिव के रूप में साथ काम कर रहा था। अब मैं उन्हें एक बार फिर अपने साथ दिल्ली ले जाना चाहता हूं।"

- गौरतलब है कि, शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस शहर को उनका गढ़ माना जाता है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है।

आपको बता दें कि पिछले साल संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश में शानदार जीत दर्ज की थी। इसमें शिवराज सिंह चौहान का भी अहम योगदान था। हालांकि, उन्हें इस चुनाव में सीएम उम्मीदवार नहीं घोषित किया गया था। भगवा पार्टी ने चौंकाते हुए मोहन यादव को उनके उत्तराधिकारी के रूप में चुना।

शिवराज सिंह चौहान अपना छठा लोकसभा चुनाव विदिशा से लड़ रहे हैं। इस सीट का प्रतिनिधित्व दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी (1991) और सुषमा स्वराज (1991, 2009 और 2014) जैसे भाजपा के दिग्गज नेता कर चुके हैं। रामनाथ गोयनका 1971 में इस सीट से सांसद चुने गए थे।

अपने नाम की घोषणा के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह सीट उन्हें वाजपेयी ने सौंपी थी और यह खुशी की बात है कि उन्हें 20 साल बाद फिर से इसका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल रहा है। चौहान ने कहा था, भाजपा मेरी मां है, जिसने मुझे सब कुछ दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक पर्यवेक्षक रशीद किदवई ने बताया कि भाजपा को अपने वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में शिवराज सिंह चौहान को इस सीट से मैदान में उतारने के लिए मजबूर होना पड़ा। किदवई ने कहा, "यह एक खुला रहस्य है कि शिवराज की लोकप्रियता को जांचने की मांग की गई थी, लेकिन आरएसएस और महिला मतदाताओं के दबाव में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री को मैदान में उतारने का फैसला किया।"

उन्होने कहा, "वह भारी अंतर से जीतने के लिए तैयार हैं। यदि वह राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़े अंतर से जीतते हैं तो इसकी खूब चर्चा होगी। इस सीट की तुलना वाराणसी, गांधीनगर, लखनऊ और अन्य सीटों पर हार-जीत के अंतर से की जाएगी।किदवई ने कहा कि हालांकि यह देखना बाकी है कि शिवराज पीएम मोदी और अमित शाह की व्यवस्था में कैसे फिट बैठते हैं।

आपको बता दें कि विदिशा लोकसभा सीट के आठ विधानसभा सीटों में से सात पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। 2009 के लोकसभा चुनाव में सुषमा स्वराज करीब 3.90 लाख वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

मणिपुर में उग्रवादी हमले में सी.आर.पी.एफ के दो जवान शहीद

इंफाल, 27 अप्रैल (वार्ता) मणिपुर के नारानसेना इलाके में शनिवार को संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के हमले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान शहीद हो गए और चार अन्य घायल हो गए।

- कुकी उग्रवादियों ने सी.आर.पी.एफ के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की।

पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरंग पुलिस थाना क्षेत्र में नारायणसेना के एक गांव में कथित तौर पर सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलीबारी करते हुए आधी रात को हमला किया।

कुकी आतंकवादियों ने नारायणसेना में सीआरपीएफ के बी/128 बीएन शिविर की ओर बम फेंके और गोलीबारी की।

विस्फोट में इंस्पेक्टर जादव दास, एसआई एन सरकार, एचसी अरूप सैनी और सीटी आफताब हुसैन सहित चार कर्मी घायल हो गए, जबकि एसआई/जीडी एन साकार और एचसी/जीडी अरूप सैनी की मौत हो गई। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908